भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 बिलियन डॉलर बढ़कर 694.23 बिलियन डॉलर हुआ

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

केदारनाथ मंदिर में पूजा अर्चना के लिये एकत्रित हुए भक्तगण

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 255 | रायपुर | मंगलवार 09 सितंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

आतंकी साजिश मामले में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, 5 राज्यों और जम्मू-कश्मीर में ताबड़तोड़ छापेमारी

श्रीनगर एजेंसी।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साजिश से जुड़े मामले में सोमवार को जम्मू-कश्मीर और पांच राज्यों में ताबड़तोड़ छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, कम से कम 22 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई आंतरिक सुरक्षा से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में की गई है। जम्मू-कश्मीर में एनआईए की टीमें बारामूला, कुलगाम, अनंतनाग और पुलवामा जिलों में सक्रिय रहीं। सोमवार सुबह बारामूला के जंगम गांव में रशीद लोन के घर पर भी छापेमारी हुई। छापों के दौरान कई जगहों से मोबाइल फोन और संदिग्ध दस्तावेज जब्त किए गए हैं। हालांकि, इस पर एनआईए ने अभी तक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। गौरतलब है कि इससे पहले जून में भी एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में 32 ठिकानों पर छापेमारी की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही जम्मू-कश्मीर का दौरा करने वाले हैं, ऐसे में एजेंसी की यह कार्रवाई और अहम हो गई है।

इसी बीच बिहार में एनआईए को बड़ी सफलता मिली है। गोपालपुर में शुक्रवार को छापेमारी के दौरान खालिस्तानी आतंकी शरणजीत कुमार उर्फ शनी को गिरफ्तार किया गया। शरणजीत पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला का रहने वाला है और स्वर्ण मंदिर ग्रेनेड अटैक मामले में आरोपी है।

आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता पर जोर

भारत-इजराइल ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर किये हस्ताक्षर, ट्रेड को मिलेगा बढ़ावा

दोनों देशों के बीच होता है सालाना 4 बिलियन डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार

एजेंसी

भारत और इजराइल ने सोमवार को एक द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT) पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे भारत और इजराइल के बीच निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, ''भारत और इजराइल सरकार ने आज नई दिल्ली में द्विपक्षीय निवेश समझौते बीआईटी पर हस्ताक्षर किए हैं।'' इस समझौते पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके इजराइली समकक्ष बेजेलेल स्मोट्रिच ने हस्ताक्षर किए। इजराइली वित्त मंत्री स्मोट्रिच 8 से 10 सितंबर तक तीन दिनों की भारत यात्रा पर आए हैं।

बीआईटी से दोनों देशों के निवेशकों को मिलेगा सुरक्षा का भरोसा

बेजेलेल स्मोट्रिच, भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल से भी मुलाकात करेंगे। उनकी भारत यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय बैठकों के माध्यम से भारत के साथ इजराइल के आर्थिक और वित्तीय संबंधों को मजबूत करना और द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) और मुक्त व्यापार समझौते (FTA) सहित कुछ प्रमुख समझौतों के लिए साझा आधार तैयार करना है। बीआईटी से दोनों देशों के निवेशकों को उचित सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। ये मध्यस्थता के जरिये विवाद निपटान के लिए एक स्वतंत्र मंच देगा। इसके अलावा, इजराइली वित्त मंत्री अपनी भारत यात्रा पर मुंबई और गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी का भी दौरा करेंगे।

बताते चलें कि इजराइल ने साल 2000 से लेकर अभी तक 15 से भी ज्यादा देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें संयुक्त अरब अमीरात , जापान, फिलीपींस, थाईलैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। भारत और इजराइल रणनीतिक साझेदार हैं और दोनों देशों के बीच हर साल लगभग 4 बिलियन डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार होता है। साल 2000-2025 के दौरान भारत से इजराइल में संचयी निवेश 443 मिलियन डॉलर था और अप्रैल 2000 से मार्च 2025 के दौरान भारत के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) में इजराइल का योगदान 334.2 मिलियन डॉलर था।

RSS के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले की जोधपुर में बिगड़ी तबीयत, एम्स में भर्ती

एजेंसी - जोधपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले की तबीयत बिगड़ गई है. बीपी हाई होने पर उनको एम्स में भर्ती करवाया गया. डॉक्टरों की टीम की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है. एम्स की सूचना पर पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे. 5 से 7 सितंबर तक जोधपुर में आरएसएस की अखिल भारतीय समन्वय बैठक हुई थी. संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत बैठक में शामिल होने के लिए 1 सितंबर को ही जोधपुर आए थे. अगले दिन 2 सितंबर को दत्तात्रेय होसबोले पहुंचे. दोनों लोगों ने 7 सितंबर तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक ली. बैठक के बाद आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले कोर कमेटी के कुछ सदस्यों के साथ यहीं रुके हुए हैं. सोमवार दोपहर 2 बजे के करीब होसबोले की तबीयत बिगड़ गई. तत्काल उनको एम्स में भर्ती करवाया गया।

सीएम योगी ने विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की सघन जांच के दिए आदेश

लखनऊ एजेंसी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की लंबे समय से उठाई जा रही मांगों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में मान्यता एवं प्रवेश प्रक्रिया की गहन जांच के लिए सख्त निर्देश जारी कर दिए हैं। यह आदेश छात्रों के हितों की रक्षा, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और अवैध कोर्सों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से दिया गया है। एबीवीपी ने हाल ही में एसआरएमयू में डिग्री मान्यता को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया था, जिसमें पुलिस कार्रवाई के बाद सीएम ने जांच के आदेश दिए थे। अब यह आदेश पूरे प्रदेश के लिए लागू होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, प्रत्येक मंडलायुक्त को अपने मंडल के हर जनपद के लिए अलग-अलग विशेष जांच टीम गठित करने का निर्देश दिया गया है। इन टीमों में अनिवार्य रूप से एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, एक पुलिस विभाग का अधिकारी और एक शिक्षा विभाग का अधिकारी शामिल होंगे।

पंजाब बाढ़ : भारतीय सेना का ऑपरेशन राहत जारी, जरूरतमंदों तक पहुंचाई मदद

एजेंसी पंजाब

पंजाब में आई भीषण बाढ़ के बाद जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पंजाब के कई जिलों के गांवों में बाढ़ का कहर है। इस संकट में भारतीय सेना ऑपरेशन राहत के तहत रेस्क्यू अभियान चला रही है, जिसके जरिए जरूरतमंदों तक खाना, पानी और अन्य जरूरी मदद पहुंचाई जा रही है। भारतीय सेना के वज्र कॉर्प्स ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे राहत अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बचाव अभियान से संबंधित कुछ फोटो शेयर किए।

उन्होंने एक्स पर लिखा, ऑपरेशन राहत। पंजाब में बाढ़, घर उजड़े, जिंदगियां बिखरीं। निराशा के बीच भारतीय सेना गांव वालों के साथ खड़ी है। परिवारों को बचाते हुए, बुजुर्गों का सहारा बनते हुए, बच्चों को सुरक्षित उठाते हुए, भोजन, पानी और उम्मीद पहुंचाते हुए। हर आलिंगन भरोसे और उम्मीद का बंधन दर्शाता है।

इसके अलावा, वज्र कॉर्प्स ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, हरिके, तरन तारन में सतलुज का पानी बढ़ा तो गांववाले और वज्र कॉर्प्स कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। बांध को मजबूत किया, दरार पाटी और अनगिनत जिंदगियां सुरक्षित कीं। एक सच्ची मिसाल- एकता, हिम्मत और भरोसे की।

अभी बाढ़ से पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में से एक है। नदियां उफान पर हैं, जिससे हर जगह सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। स्थिति यह है कि पंजाब के सभी 23 जिले बाढ़ प्रभावित घोषित किए जा चुके हैं। सैकड़ों गांव जलमग्न हैं। कम से कम 43 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लाखों हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। भारी बारिश और बाढ़ के कारण पंजाब इस बार मानसून में बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब का दौरा करेंगे।

आधार को 12वां दस्तावेज़ माना जाएगा, बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली । बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कि एसआईआर में पहचान के उद्देश्य से आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज़ के रूप में माना जाए। मतदाता सूची में किसी मतदाता को शामिल/बहिष्कृत करने के उद्देश्य से किसी व्यक्ति की पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड को भी ध्यान में रखा जाएगा। आधार कार्ड की प्रामाणिकता और वास्तविकता की जांच करने का अधिकार अधिकारियों को रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसे नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग इस आदेश की जानकारी अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करे। चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि आधार पहचान का प्रमाण हो सकता है, नागरिकता का नहीं।

भारत-बांग्लादेश सीमा से पांच करोड़ का सोना जब्त, तस्कर गिरफ्तार

कोलकाता नदिया जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सोने की तस्करी का पर्दाफाश किया। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 194 बटालियन के जवानों ने सुंदर सीमा चौकी इलाके से एक भारतीय तस्कर को पकड़ा और उसके पास से 35 सोने के बिस्कुट बरामद किए। बरामद सोने की कीमत पांच करोड़ से अधिक आंकी गई है।

सूत्रों के अनुसार, खुफिया जानकारी के आधार पर जवानों ने संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली। इस दौरान उसकी कमर में बंधे पैकेट से सोना मिला। गिरफ्तार तस्कर की पहचान धनतला थाना क्षेत्र के हरितलापाड़ा गांव निवासी के रूप में हुई है। प्राथमिक पूछताछ में आरोपित ने कई अहम जानकारियां दी हैं, जिससे एक संगठित तस्करी गिरोह के नेटवर्क का पता चला है। फिलहाल आरोपित और जब्त सोने को आगे की जांच के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया गया है।

बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि हाल के दिनों में यह तीसरी बड़ी खेप है, जिसे सीमा पर पकड़ा गया है। लगातार सफल कार्रवाई यह दर्शाती है कि सीमा सुरक्षा बल का खुफिया तंत्र और सतर्कता किस तरह मजबूत है।

विश्व | फरवरी 2026 में भारत द्वारा आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में आएंगे मैंक्रो

समुद्र में केबल कटने से इंटरनेट की स्पीड में दिक्कत, भारत समेत एशिया के कई देश प्रभावित

नई दिल्ली. एजेंसी

एशिया के कुछ हिस्सों में जिनमें भारत भी शामिल और पश्चिम-पूर्व के अन्य देशों में भी इंटरनेट सेवा प्रभावित हुई. यह लाल सागर में समुद्र के नीचे बिछी केबल कटने से हुआ. विशेषज्ञों ने इस बात की जानकारी दी. लेकिन, लेकिन अभी यह बात साफनहीं हुई है कि यह घटना कैसे हुई. हालांकि, चिंता जताई जा रही है कि ये यमन के हूती विद्रोही इन केबल को निशाना बना रहे हैं. विद्रोही इसे इजराइल पर दबाव बनाने की कोशिश बता रहे हैं, ताकि वो गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध खत्म करे. हालांकि, हूती विद्रोहियों ने पहले ऐसे हमलों से इनकार किया है।

इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रभावित हुई

इंटरनेट पहुंच पर नजर रखने वाली संस्था नेटब्लॉक्स ने कहा, लाल सागर में समुद्र के नीचे कई केबल कटने से कई देशों में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रभावित हुई है. जिसमें भारत और पाकिस्तान शामिल हैं. उन्होंने बताया कि यह समस्या सऊदी अरब के जेद्दा के पास SMWy और IMEWE केबल सिस्टम में तकनीकी खराबी की वजह से हुई.

साउथ ईस्ट एशियामिडिल ईस्टवेस्टर्न यूरोप 4 केबल भारत की कंपनी टाटा कम्युनिकेशंस की ओर से चलाया जाता है, जो एक बड़े भारतीय समूह का हिस्सा है. वहीं, इंडियामिडिल ईस्टवेस्टर्न यूरोप केबल को एक अन्य कंसोर्टियम चलाता है, जिसकी निगरानी अल्काटेल-लूसेंट कर रही है. दोनों कंपनियों ने इस मामले पर अभी कोई रिएक्शन नहीं दिया.

दुबई तक पड़ा असर

सऊदी अरब ने अभी तक इस इंटरनेट सेवा में हुई बाधा को स्वीकार नहीं किया है और वहां के अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया. संयुक्त अरब अमीरात, जहां दुबई और अबू धाबी मौजूद हैं, वहां देश की सरकारी कंपनियों Du और Etisalat के नेटवर्क पर इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने धीमी इंटरनेट स्पीड की शिकायत की. सरकार ने भी इस समस्या को तुरंत स्वीकार नहीं किया।

नेपाल में सोशल मीडिया बैन के खिलाफ प्रदर्शन, संसद में घुसे युवा

फायरिंग में एक की मौत

काठमांडू एजेंसी

नेपाल की राजधानी काठमांडू सोमवार को उग्र विरोध प्रदर्शनों का गवाह बनी। बड़ी संख्या में युवा सड़कों पर उतरे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। कुछ प्रदर्शनकारी संसद परिसर तक पहुंच गए, जिन्हें हटाने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े, हवाई फायरिंग की और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया।

न्यू बनेश्वर इलाके में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़पों में एक युवक की मौत हो गई। सिविल अस्पताल के कार्यकारी निदेशक मोहन चंद्र रेग्मी ने पुष्टि करते हुए बताया कि उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया, हालांकि उसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। कई दर्जन घायलों का इलाज सिविल अस्पताल, एवरेस्ट हॉस्पिटल और अन्य स्थानीय अस्पतालों में चल रहा है। प्रदर्शन का मुख्य कारण सरकार द्वारा लगाए गए सोशल मीडिया बैन को हटाने की मांग है। पिछले शुक्रवार से नेपाल सरकार ने फेसबुक, यूट्यूब और एक्स समेत 26 बिना रजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म्स पर रोक लगा दी थी, जिससे लाखों यूजर्स प्रभावित हुए। मनोरंजन, खबरों और कारोबार के लिए इन प्लेटफॉर्म्स पर निर्भर युवाओं में भारी नाराज़गी है।

राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए 'जनरेशन जेड' के प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रगान गाकर आंदोलन की शुरुआत की और सोशल मीडिया बैन व भ्रष्टाचार के खिलाफ नारे लगाए। 24 वर्षीय छात्र युजन राजभंडारी ने कहा, हम सिर्फ सोशल मीडिया बैन से नाराज़ नहीं हैं, बल्कि देश में फैले संस्थागत भ्रष्टाचार के खिलाफ भी आवाज उठा रहे हैं। वहीं, 20 वर्षीय छात्रा इक्षमा तुमरोक ने कहा कि सरकार का सत्तावादी रवैया अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा, हम बदलाव चाहते हैं। पिछली पीढ़ियां इसे सहती रहीं, लेकिन हमारी पीढ़ी के साथ यह खत्म होना चाहिए।

चीन में तूफान तपाह का रौद्र रूप फ्लाइटें रद्द, स्कूल बंद, समंदर से निकाले गए हजारों लोग

ग्वांगझो एजेंसी।

इस साल का 16वां तूफान तपाह सोमवार सुबह दक्षिण चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में पहुंच गया। इसको देखते हुए स्कूलों को बंद कर दिया गया और हजारों निवासियों को तूफान से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। ग्वांगडोंग की मौसम विज्ञान वेधशाला के अनुसार, 30 मीटर प्रति सेकंड की अधिकतम गति वाली हवाओं के साथ तूफान सुबह लगभग 8:50 बजे जियांगमेन शहर के एक काउंटी-स्तरीय शहर ताइशान में तट पर पहुंचा। ताइशान के 182 स्कूलों और किंडरगार्टन में लगभग 1,20,000 छात्रों की कक्षाएं स्थगित कर दी गईं, जबकि जियांगमेन में 41,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाया गया। जियांगमेन के मेरीटाइम ब्यूरो ने कहा कि उसने संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए 43 स्वयंसेवी समुद्री बचाव दल और 30 जहाज पहले ही तैनात कर दिए। ताइशान में 3,300 से ज्यादा आपातकालीन कर्मी तैयार हैं।

पड़ोसी यांगजियांग शहर में अधिकारियों ने सोमवार को स्थानीय निवासियों के लिए आपातकालीन आश्रय स्थल खोल दिए। तूफान से प्रभावित ग्वांगडोंग के कुछ हिस्सों में सोमवार को भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मौसम विभाग के अधिकारियों का अनुमान है कि तपाह लगभग 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ता रहेगा और धीरे-धीरे कमजोर होता जाएगा।

छत्तीसगढ़ी फिल्म खारुन पार से राज्य के दर्शक पहली बार करेंगे क्राइम थ्रिलर का अनुभव

12 सितंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

भिलाई। छत्तीसगढ़ी सिनेमा, जो आमतौर पर पारिवारिक कहानियों और प्रेम कहानियों के लिए जाना जाता है, अब एक नए मोड़ पर खड़ा है। युवा निर्देशक दिव्यांश सिंह की फिल्म खारून पार के साथ राज्य के दर्शक पहली बार एक क्राइम थ्रिलर का अनुभव करने जा रहे हैं।

चमक ग राया डिंगोरिया साल 2022 से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली राया, मॉडलिंग की दुनिया से निकलकर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रही हैं। ग्लैमर की दुनिया से आई राया ने बहुत ही कम समय में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता है।

राया की पहली छत्तीसगढ़ी फिल्म दंतेला थी, जिसके बाद वे खारुन पार में भी नज़र आई। फिलहाल उनकी तीसरी फिल्म, भेद, फ्लोर पर है। इन फिल्मों को लेकर और अपने सफर को लेकर, राया ने स्मार्ट सिनेमा पत्रिका के साथ एक खास बातचीत की, जो हमारे पाठकों के लिए प्रस्तुत है।

मॉडलिंग से एक्टिंग तक का सफर

राया बताती हैं कि उनके माता-पिता काफी सख्त थे, इसलिए उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि वह एक्टिंग जैसे फील्ड में जा पाएंगी। उन्हें एक्टिंग का पहला ऑफर एक मॉडलिंग शो के दौरान मिला।

वह बताती हैं, एक एक्टर ने मुझे मॉडलिंग शो में देखा था। उन्हें मेरा चेहरा काफी पसंद आया और उन्होंने मुझे एक्टिंग में कोशिश करने के लिए कहा। उन्होंने मुझे कई कास्टिंग डायरेक्टर्स के नंबर दिए। इसी दौरान एक जान-पहचान के डायरेक्टर को भी उनका चेहरा पसंद आया और उन्होंने उन्हें एक ऐड के लिए चुन लिया। यही से उनका एक्टिंग का सफर शुरू हुआ।

चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने का सपना

राया को अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर काम करना पसंद है। वह कहती हैं, मुझे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना अच्छा लगता है। वह फिल्म बफी में प्रियंका चोपड़ा के किरदार जैसा कोई रोल करना चाहती हैं, जहाँ एक्टिंग की पूरी आज़माइश हो।राया मूल रूप से मुंबई की हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ी सिनेमा में काम कर रही हैं। उन्हें शुरुआत में इस बात को लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री में थोड़ी अजीब

प्रतिर्ता या मिली। राया बताती हैं कि बॉलीवुड के लोग अक्सर छत्तीसगढ़ी फिल्मों को भोजपुरी फिल्मों जैसा मानकर देखते थे।राया इस धारणा को गलत बताती हैं। वह कहती हैं, छत्तीसगढ़ी फिल्में भोजपुरी फिल्मों से कहीं ज्यादा सकारात्मक हैं। हालांकि, वह यह भी मानती हैं कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा को अभी और बेहतर होने की ज़रूरत है।वह कहती हैं, जैसे साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने टेक्नोलॉजी और सोच के मामले में खुद को बहुत ऊँचा उठाया है, अगर छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री भी उसी स्तर की सोच और तकनीकों का इस्तेमाल करे, तो हमारी फिल्में भी अपनी एक अलग पहचान बना सकती हैं।

राया को उम्मीद है कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा आने वाले समय में और भी बेहतरीन कहानियों और तकनीकी सुधारों के साथ अपनी पहचान बनाएगा।शील वर्मा, एक ऐसा नाम जो मुंबई की मायानगरी में अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत हिंदी टीवी सीरियल्स से की, जहाँ वे अब तक 50 से ज्यादा धारावाहिकों में काम कर चुके हैं।

पीजी कॉलेज में भूगोल परिषद का गठन एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शिक्षक

कांकेर। पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सी.आर. पटेल के मार्गदर्शन में तथा भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष एस.आर.दर्रो, मुख्य अतिथि प्रो. अशोक कुमार ज्योति, भूगोल परिषद प्रभारी डॉ. शिवेन्द्र कुमार धुर्वे, सह परिषद प्रभारी डॉ.योगिता साहू की उपस्थिति में स्नातकोत्तर स्तर पर भूगोल परिषद का गठन किया गया। एम.ए.भूगोल प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा सर्व सहमति से भारती मण्डावी अध्यक्ष, चंद्रप्रकाश कोरचे उपाध्यक्ष, हिमांशु देवांगन सचिव, आकांक्षा साहू सहसचिव व अन्य पदाधिकारियों का चयन एवं शपथ ग्रहण कराया गया।

आयोजित कार्यक्रम में भूगोल विभागाध्यक्ष एस.आर.दर्रो द्वारा वार्षिक कार्य योजना 2025-26 का व्याख्यान दिया गया। मुख्य अतिथि प्रो. अशोक कुमार ज्योति विभागाध्यक्ष भौतिकशास्त्र के द्वारा विद्यार्थियों के अध्यापन एवं विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी संबधी तत्वों पर प्रकाश डाला गया। डॉ.योगिता साहू के द्वारा विषय के महत्व, शैक्षणिक गतिविधियों एवं अन्य गतिविधियों में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया। भूगोल परिषद प्रभारी डॉ. शिवेन्द्र कुमार धुर्वे द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों एवं पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ एवं बधाई देते हुए उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने, शोधकार्यों में रूचि बढाने, विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी एवं शिक्षक दिवस पर अपने विचारों को व्यक्त करते हुए आभार प्रदर्शन भी व्यक्त किये। अतिथियों के उदबोधन के बाद विभाग में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर प्राध्यापकों का स्नेह पूर्वक सप्रेम भेंट देकर सम्मानित किया गया।

मनोरा एवं सरडीह में महिलाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए किया गया जागरूक

जशपुर। परियोजना मनोरा के मनोरा सेक्टर अंतर्गत समस्त आंगनबाडी केन्द्रों में महिलाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म स्वच्छता, प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। इस दौरान मासिक धर्म संबंधी सभी प्रकार के मिथकों से उन्हें अवगत कराया गया, किशोरी बालिकाओं की मासिक धर्म स्वच्छता के सैनिटरी पैड, आदि प्रयोग करने एवं उनके उचित निपटान करने की सलाह दी गई। उनसे चर्चा कि गई कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर चिकित्सकीय सलाह लेने से कभी ना झिझकें। इस दौरान संतुलित आहार लेने व तनाव से बचने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से मातृ एवं प्रसवकालीन स्वास्थ्य, संक्रमणों की रोकथाम व उपचार के संबंध में चर्चा की गई।

इसी प्रकार एकीकृत बाल विकास परियोजना बगीचा अंतर्गत सेक्टर विमडा के ग्राम पंचायत सरडीह में मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरुकता कार्यक्रम का आज आयोजन किया गया। जिसमें सरपंच श्री रामजीत राम भगत, वार्ड पंच ग्रामीण महिलाएं, किशोरी बालिकाएँ शामिल हुए। कार्यकम में महिलाओं को महिला सुरक्षा, महिलाओं के अधिकार, कानूनी संरक्षण, बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत बनाने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार करने संबंध में चर्चा की गयी। इस अवसर पर यौन एवं प्रजनन स्वास्थ, मासिक धर्म संबंधित स्वच्छता चिकित्सीय सहायता परामर्श संबंधित विस्तृत जानकारी दी गयी एवं किशोरी बालिकाओं का हीमोग्लोबिन जांच कर वजन ऊंचाई जांच कर बीएमआई इंडेक्स निकाला गया। किशोरी बालिकाओं को होमोग्लोबीन स्तर बनाये रखने हेतु जानकारी दी गयी। सभी को खान पान स्वच्छता, प्रसवकालीन समस्या, योग, संक्रमण की रोकथाम एवं उपचार से संबधित चर्चा भी की गई।

रामपारा में वजन त्यौहार का हुआ आयोजन

शनिवार को सेक्टर के आस्ता परियोजना के आंगनबाडी केंद्र रामपारा में रजत महोत्सव के दौरान वजन त्यौहार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों के वजन और ऊँचाई का मापन करते हुए बालकों के स्वास्थ्य संबंधित जानकारी माता पिता को दी गयी। गर्भवती महिलाओं को पोषण के विषय में बताया गया। आयोजन में उपस्थित महिलाओं को स्वच्छता तथा संतुलित आहार लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

हत्या को आत्महत्या के रूप में परिणित करने वाले भाई-बहन को आजीवन कारावास की सजा

कोरबा । अपनी दीदी और जीजा के बीच आये दिन होने वाले वाद विवाद से क्षुब्ध होकर जीजा को ही रास्ते से हटाने का काम दीदी के साथ मिलकर साले ने कर दिया। इसके बाद हत्या को आत्महत्या का रूप देने और यही प्रचारित करने का काम भाई- बहन ने मिलकर किया। आत्महत्या बताए जाने वाले इस मामले में न्यायाधीश ने हत्या और साक्ष्य छिपाने का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा से दोनों को दंडित किया है। राज्य शासन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक कृष्ण कुमार द्विवेदी ने मजबूत पैरवी की। सूचक राजकुमार चैहान के द्वारा 18 जून 2024 को मधुसूदन हंसराज की मृत्यु के संबंध में पुलिस चैकी रजगामार सूचना दी थी। पुलिस को बताया था कि मधुसूदन हंसराज अपनी पत्नी एवं बच्चों के साथ अपने ससुराल शांतिनगर रजगामार में रहकर मजदूरी कर जीवन यापन करता था व शराब पीने का आदी था। 17 जून 2024 की रात्रि मधुसूदन हंसराज शराब पिया हुआ था। रात्रि करीब 10-11 बजे मधुसूदन हंसराज का पत्नी के साथ वाद-विवाद हुआ। उसके बाद मधुसूदन हंसराज अपने कमरे से निकल गया और बाहर का दरवाजा बंद कर आंगन के पास नहानी रुम के सामने नायलोन रस्सी से म्यार में फांसी लगाकर लटक गया। उक्त जानकारी होते ही मधुसूदन की पत्नी सरस्वती ने पड़ोसी सूचक को बात बतायी। सूचक राजकुमार चैहान अपनी पत्नी के साथ सरस्वती के घर गया और सरस्वती के बताये स्थान पर वे तीनों जाकर देखे।

ऐसा विभागीय अपमान : अब सम्मान लौटाने की तैयारी में शिक्षक

राज्य शासन दिया सम्मान, जिला प्रशासन कर रहा है शिक्षक दंपति का अपमान

बालोद। शिक्षक दिवस के अवसर पर जहाँ पूरा देश अपने गुरुजनों का सम्मान करता है, वहीं बालोद जिले के एक राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सम्मानित शिक्षक को प्रशासनिक लापरवाही के चलते अपमानित होना पड़ रहा है। व्यथित शिक्षक अब सम्मान लौटाने विवश हैं। पीड़ित शिक्षक रघुनंदन गंगबोईर व्याख्याता (एलबी) हैं। उन्हें मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण, शिक्षाश्री और राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। श्री गंगबोईर ने शासन को चेतावनी दी है कि यदि वरिष्ठता निर्धारण एवं युक्तियुक्तरण प्रक्रिया की निष्पक्ष समीक्षा कर न्याय नहीं दिया गया, तो वे अपने दोनों राज्य स्तरीय सम्मान शासन को लौटाने के लिए विवश हो जाएंगे। शिक्षक का आरोप है कि बालोद जिला प्रशासन ने छग सिविल सेवा अधिनियम 1961 की धारा 12(क) की अनदेखी करते हुए उन्हें कनिष्ठ घोषित कर अतिशेष की सूची में डाल दिया।उनकी पत्नी पुष्पा गंगबोईर, जो अंग्रेजी विषय की शिक्षिका हैं, को भी लगातार प्रशासनिक अनियमितताओं का शिकार बनाया गया।सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी भी अधूरी व अपूर्ण प्रदान की गई। श्री गंगबोईर का कहना है- यह विडंबना है कि एक ओर राज्य शासन ने हमें सम्मानित किया, वहीं दूसरी ओर जिला स्तर पर हमें अपमानित किया गया है। स्थिति ऐसी है कि 'राज्य से सम्मान, जिले से अपमान' हमारी नियति बन चुकी है।उन्होंने कहा कि यदि शासन शीघ्र हस्तक्षेप कर अन्यायपूर्ण निर्णयों की समीक्षा नहीं करता, तो वे विवश होकर अपने राज्य स्तरीय सम्मान लौटाने का कदम उठाएंगे। यह कदम उनके लिए कोई इच्छा नहीं बल्कि आत्मसम्मान की रक्षा हेतु नैतिक आवश्यकता है।

इस अवमानना के संबंध में राज्य सरकार के जन शिकायत पोर्टल की स्थापना शाखा हेतु ज्ञापन पत्र के माध्यम से राज्य शासन को उपरोक्त बातें सूचित की जा चुकी हैं। जिसका टोकन नंबर 792225010249 है। शिक्षक श्री गंगबोइर का आरोप है कि पिछले चार महीने से पति-पत्नी दोनों का वेतन न्यायालयीन प्रकरण होने से न्यायालय के यथा स्थिति बनाए रखने के निर्देश के बावजूद न तो यथास्थिति पूर्व संस्था में कार्य करने दिया जा रहा है।

हनुमान सेवा समिति बिशुनपुर के द्वारा आयोजित किया गया सम्मान समारोह

क्षेत्र के उत्कृष्ट शिक्षको एवं मेघावी छात्र-छात्राओं का किया गया सम्मान

लोकशक्ति। दिनांक- 07/09/2025 , दिन - रविवार को ग्राम-बिशनपुर में दक्षिणाभिमुखी श्री हनुमान मंदिर सेवा समिति, बिशुनपुर - जुनापारा के तत्वाधान में ÷शिक्षक सम्मान समारोह÷ एवं ÷मेघावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह÷ आयोजित किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ श्री हनुमान जी आरती और दीप प्रज्वलन के पश्चात प्रारंभ हुआ । तत्पश्चात सभी सम्माननीय शिक्षकों, मातृशक्तियों, गांव के वरिष्ठ नागरिकों व सभी मेघावी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत-अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम बिशनपुर के वरिष्ठ व्याख्याता श्री रामफल राजवाड़े ने कहा कि शिक्षक ही समाज का आधार होता है, देश का भविष्य शिक्षकों के कंधों पर टिका होता है, बेहतर समाज का निर्माण शिक्षक के बिना संभव नहीं है ।

कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ शिक्षक श्री मनोज कमरों ने कहा कि शिक्षक का काम बेहतर शिक्षा के साथ बच्चों के भविष्य को सफल बनाना और जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना कैसे करें इस पर उनका मार्ग प्रशस्त करना होता है, साथ ही बच्चों को शिक्षा के साथ सेवाभाव से जोड़ना एक आदर्श शिक्षक की निशानी होती है । कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन करते हुए समिति के कार्यकारी अध्यक्ष और वरिष्ठ शिक्षक श्री नेतलाल राजवाड़े जी ने कहा कि शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य नौकरी नहीं होता, शिक्षा का उद्देश्य बेहतर नागरिक निर्माण होता है, जो देश की एकता और अखंडता में विशेष भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि बच्चों के व्यक्तित्व को व्यावहारिक बनाना शिक्षक का अहम जिम्मेदारी है। साथ ही कार्यक्रम में पधारे सभी शिक्षकों ने अपना उद्बोधन दिया।

कार्यक्रम में क्षेत्र की जिला पं सदस्य श्रीमति सौभाग्यवती सिंह,अंचल किशोर राजवाड़े(पूर्व जिलाध्यक्ष भाजयमो), वरिष्ठ शिक्षक श्री अनुपम राजवाड़े, श्री चंद्रिका प्रसाद राजवाड़े, श्री गणेश राजवाड़े ,श्री नरेंद्र सिंह, श्री खगेश पैकरा, श्री रामेश्वर राजवाड़े, श्री प्रदीप खांडेय, श्री पंकज साहू, श्रीमती प्रतिमा राजवाड़े, संगीता राजवाड़े, कुषा राजवाड़े, पार्वती राजवाडे, राजेश्वरी मिश्रा, नानबाई राजवाडे, उपस्थित रहे। मेघावी छात्र-छात्राएं छाया खांडेय, रोशनी यादव, दुर्गा उपस्थित रहे।

भानपुरी हत्याकांड व लूट के दो फरार आरोपी भी हुये गिरफ्तार- अब तक कुल 8 आरोपी सलाखों के पीछे

धमतरी पुलिस ने बरामद किया घटना में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी एवं मोबाइल फोन

वरिष्ठ अधिकारियों की सतत् मॉनिटरिंग व पुलिस टीम की त्वरित कार्यवाही से बड़ी सफलता

धमतरी, संवाददाता।

दिनांक 01.09.2025 की रात्रि ग्राम भानपुरी निवासी कृतराम साहू अपने घर पर सो रहे थे। लगभग रात 2 बजे तीन अज्ञात आरोपी घर में घुसे, जिन्होंने मृतक एवं उनकी पत्नी को बंधक बनाकर अलमारी से सोने-चांदी के जेवरात, 5,000/- रूपये नगद एवं मोबाइल फोन लूट लिया।

विरोध करने पर आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर कृतराम साहू की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए। प्रार्थिया रश्मि साहू की रिपोर्ट पर थाना अर्जुनी में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल विवेचना प्रारंभ की गई।

पुलिस की कार्यवाही-:

पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार ने घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल विशेष टीम गठित की। लगातार पतासाजी, तकनीकी साक्ष्य व मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान दो अन्य फरार आरोपियों की संलिप्तता पाई गई, जिन्हें आज गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

जप्त सामान-:

आरोपी सहदेव राम रात्रे से घटना में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी (क्र. छत्त-05ह्न-7442) आरोपी देवेन्द्र कुमार बघेल से घटना में प्रयुक्त 01 वीवो मोबाइल फोन दोनों फरार आरोपियों के विरुद्ध धारा 103(1), 309(6), 310(3), 331(8), 49, 61, 238 बीएनएस एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

(01) सहदेव राम रात्रे पिता शम्भू राम रात्रे, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम रामपुर,थाना भखारा, जिला धमतरी। (02) देवेन्द्र कुमार बघेल पिता पवन कुमार बघेल, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम रामपुर, थाना भखारा, जिला धमतरी (01) धनराज यादव पिता दीपक यादव, उम्र 22 वर्ष, ग्राम भठेली (02) हुपेन्द्र बांधे पिता दिनेश बांधे, उम्र 18 वर्ष 11 माह, ग्राम भठेली

कांग्रेस का भ्रामक प्रचार, जनता को गुमराह करने का प्रयास : संजय पाण्डे

कांग्रेस नेतृत्व का काम, केवल भ्रम फैलाना और नकारात्मक राजनीति करना – संजय पाण्डे

जगदलपुर। लोकशक्ति

बस्तर के सर्वमान्य आदिवासी नेता एवं मंत्री श्री केदार कश्यप पर कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे निराधार एवं भ्रामक आरोपों को लेकर जगदलपुर महापौर श्री संजय पाण्डे ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए षड्यंत्र और झूठे प्रचार का सहारा लिया है।

महापौर संजय पाण्डे ने कहा कि - ÷कांग्रेस भली-भांति जानती है कि बस्तर में उसकी राजनीतिक ज़मीन खो चुकी है और यहां यदि किसी का सशक्त जनाधार है, तो वह भाजपा के आदिवासी नेता श्री केदार कश्यप का है। कांग्रेस का यह दुर्भावनापूर्ण कृत्य केवल एक सौम्य, सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी आदिवासी नेता को बदनाम करने का प्रयास है। श्री केदार कश्यप का व्यवहार हमेशा विनम्र और सरल रहा है, वे जनसामान्य से सहजता से मिलते हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं। यही कारण है कि बस्तर की जनता उन्हें अपना सच्चा नेता मानती है।÷

महापौर ने भानपुरी की घटना पर भी कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कांग्रेस ने जिस तरह से भानपुरी स्थित मंत्री केदार कश्यप के निवास कार्यालय का घेराव कर वहाँ तोड़फोड़ की, पत्थरबाज़ी की और यहां तक कि ड्यूटी में तैनात महिला पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की, वह कांग्रेस की गुंडागर्दी और अराजक मानसिकता का प्रमाण है। सत्ता से बाहर होने की बौखलाहट में कांग्रेस अब हिंसक और असंवैधानिक रास्ता अख्तियार कर चुकी है। जनता इस कृत्य को कभी माफ नहीं करेगी और कांग्रेस की असली तस्वीर अब पूरी तरह सामने आ चुकी है।÷

उन्होंने कहा कि झूठे आरोप लगाना, मनगढ़ंत कहानियां बनाकर सोशल मीडिया में फैलाना कांग्रेस की पुरानी फितरत है, लेकिन केवल आरोप लगाने से आरोप साबित नहीं होते। कांग्रेस का यह आचरण लोकतंत्र और जनभावनाओं के साथ छल करने जैसा है।

महापौर ने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ सहित बस्तर के सर्वांगीण विकास के लिए दृढ़संकल्पित है। मंत्री केदार कश्यप निरंतर

आदिवासी समाज के उत्थान और बस्तर के विकास के लिए कार्यरत हैं। उनका सौम्य और सरल व्यक्तित्व ही उन्हें जनता के और निकट ले आता है। यही कारण है कि कांग्रेस बस्तर की जनता से जुड़े मुद्दों पर पूरी तरह खाली हो चुकी है और केवल भ्रम फैलाने का असफल प्रयास कर रही है।

महापौर पाण्डे ने कांग्रेस के हालिया धरना-प्रदर्शन और घेराव की राजनीति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ÷कांग्रेस का कोई भी हठकंडा मंत्री केदार कश्यप जैसे सौम्य और सहज व्यक्तित्व की छवि को प्रभावित नहीं कर सकता। कांग्रेस के टूलकिट की सच्चाई जनता के सामने उजागर हो चुकी है। दरअसल, कांग्रेस के नेता दीपक बैज की लोकप्रियता में गिरावट और अपनी शाख बचाने की मजबूरी में कांग्रेस ऐसे हथकंडे अपना रही है, लेकिन इसमें उसे मुंह की खानी पड़ेगी।÷

अंत में महापौर ने कहा कि ÷बस्तर की जनता कांग्रेस की इस नकारात्मक राजनीति को न केवल नकारेगी, बल्कि भाजपा के प्रति अपने विश्वास को और मज़बूती से दोहराएगी। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी कांग्रेस का अब बस्तर में कोई भविष्य शेष नहीं है।÷

बच्चों के लिये अच्छा करेंगे नारे ने आम जनों को स्कूल से जोड़ दिया, स्कूल बना दान का पवित्र

धमतरी। सेजेस सिंगपुर के शिक्षकों की ओर से विद्यालय के रूपांतरण हेतु पालकों के समक्ष लगाए नारे - बच्चों के लिए अच्छा करेंगे ने विद्यालय को बदलने की बड़ी ताकत दी है। प्राचार्य डॉ व्ही .पी.चन्द्रा एवम शिक्षकों द्वारा एस एम सी सदस्य , सर्व समाज प्रमुख तथा आप पालकों से विद्यालय विकास हेतु लगातार संवाद का बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है। अब आमजन अपने पुत्र के जन्म दिन,वैवाहिक वर्षगाँठ एवम अपने परिजनों की पुण्य स्मृति में विद्यालय में आकर नेवता भोज तो करा ही रहे हैं,साथ साथ वाचनालय थाती को पुस्तक एवम अन्य सामग्री भेंटकर समृद्ध भी कर रहे हैं। सिंगपुर के पालक अब इस बात को भली भांति समझने लगे हैं कि अपने परिजनों की याद को जीवंत बनाने हेतु तथा दान देने के लिए स्कूल से बढ़कर और कोई दूसरा स्थान नहीं है।इसी बात को ध्यान में रखते हुए सिंगपुर निवासी प्रदीप कुमार साहू ने अपने पूज्य पिताजी की पुण्य स्मृति में सेजेस एवम अन्य स्कूल के बच्चों को नेवता भोज कराया । इसके अतिरिक्त वाचनालय की समृद्धि के लिये एन सी ई आर टी दिल्ली से प्रकाशित कॉम्पिटिशन की 6 पुस्तकें एवम सुभाष चंद्र बोस की तस्वीर सेजेस सिंगपुर को भेंट के रुप में दी। इस अवसर पर प्रदीप साहू ने कहा कि अपने परिजनों की स्मृति में दान के लिए स्कूल से बढ़कर कोई दूसरा पवित्र स्थान नहीं है। इसी बात को ध्यान में रखकर अपने पिता की स्मृति में उन्होंने बच्चे -अर्थात बोलने वाले भगवान के लिए पुस्तकें तथा सुभाषचन्द्र बोस की तस्वीर भेंट की है। उन्होंने आम लोगों को आह्वान भी किया है कि अपने परिजनों की याद को जीवंत बनाने के लिए स्कूल में आकर अपने मन पसन्द वस्तुएं विद्यालय को भेंट करें। प्रार्थना एवम भेंट के इस अवसर पर सेजेस के अध्यक्ष धनन्जय साहू,डॉ हेमन्त साहू,सरपंच लोमेश्वर साहू ,राधे लाल सिंह,हरि मरकाम, इकरामुद्दीन रिज़वी,अयूब रिजवी एवम समस्त शिक्षक एवम बच्चे उपस्थित थे। उपस्थित लोगों ने इस अवसर पर प्रदीप कुमार साहू की पहल की भूरि भूरि प्रशंसा की है। आम लोगों में आई इस रचनात्मक जागरूकता से शिक्षकों में उत्साह का संचार हुआ है। सेजेस के प्राचार्य एवम शिक्षकों ने पालकों को आश्वस्त करते हुए विद्यालय के ध्येय वाक्य को समवेत स्वर में दुहराया है- बच्चों के लिए अच्छा करेंगे।

राहुल टिकरिहा का पूर्व विधायक रंजना साहू ने किया आत्मीय स्वागत

धमतरी, (आरएनएस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री राहुल टिकरिहा जी का उनके धमतरी प्रवास के दौरान गरिमामय स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने अपने निज निवास पर टिकरिहा जी का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें साफा और पारंपरिक गमछा पहनाकर सम्मानित किया।

रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा विभिन्न सड़क मार्गो से दिन भर अभियान चलाकर 37 दिनों में 1852 आवारा पशुओं को धरपकड़ कर गौठानों में भेजा गया

रायपुर - माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशो के अनुरूप नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चैबे और स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों के स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा प्रतिदिन नियमित अभियान चलाकर सभी जोन क्षेत्रों के विभिन्न मुख्य मार्गों में मानिटरिंग करके सड़को पर आवारा पशुओं की धरपकड़ कर उन्हें गौठानों में काउकेचर वाहन से भेजे जाने की कार्यवाही तेज गति से सतत निरंतर प्रगति पर है

इस क्रम में आज दिनांक 8 सितम्बर 2025 को नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा 42 आवारा पशुओं की विभिन्न सड़क मार्गो से धरपकड़ कर उन्हें काऊकैचर वाहन की सहायता से गौठानों में भेजा गया।

धरपकड़ अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा सभी 10 जोनो के विभिन्न मुख्य मार्गो में सघन अभियान चलाकर राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में विगत 37 दिनों में विभिन्न मुख्य सड़क मार्गो से 1852 आवारा पशुओं की धरपकड़ कर उन्हें गौठानों में भेजा गया है.

यहां यह विशेष उल्लेखनीय है कि प्रतिदिन सतत चलाये जा रहे धरपकड़ अभियान की नियमित मॉनिटरिंग महापौर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष, आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय और उपायुक्त स्वास्थ्य डॉक्टर प्रीति सिह द्वारा की जा रही है और सभी जोन कमिश्नरों ने जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर आवारा पशुओं को काऊकैचर वाहनों की सहायता से गौठानों में भिजवाने की व्यवस्था दी जा रही है. धरपकड़ अभियान प्रतिदिन सतत निरंतर जारी है।

श्रीगणेश मूर्ति विसर्जन झांकी रूट में रायपुर नगर निगम नगर निवेश विभाग ने सभी पुराने , जर्जर भवनों पर स्टीकर लगाकर नागरिकों से पुराने,

जर्जर भवन से उचित दूरी बनाये रखने और उसके नीचे खड़े ना होने की अपील की 0

रायपुर - रायपुर नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और नगर निवेशक श्री आभाष मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़नदस्ता और नगर निगम जोन 4 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा दिनांक 8 सितम्बर 2025 की रात्रि में राजधानी शहर रायपुर के विभिन्न मुख्य मार्गो से निकलने जा रही श्रीगणेश मूर्ति विसर्जन चल झांकी के निर्धारित रूट मार्ग में सदर बाजार, सत्ती बाजार, कंकाली तालाब, पुरानी बस्ती, अवधियापारा, अमीनपारा, बैजनाथपारा मार्ग में स्थित विभिन्न पुराने, जर्जर भवनों के स्वामियों को नोटिस जारी कर जर्जर, पुराने भवनों की तत्काल मरम्मत करवाने अथवा उन्हें हटाने के निर्देश दिए हैं और 8 सितम्बर को रात्रि में निकलने वाली श्रीगणेश विसर्जन चल झांकी रूट मार्ग पर स्थित सभी पुराने, जर्जर भवनों में स्टीकर लगाकर पुराने , जर्जर भवन से उचित दूरी बनाये रखने और उसके नीचे खड़े ना होने की नगर निवेश विभाग ने नागरिकों से अपील की है।

आवेदन प्रकिया में पारदर्शिता और शुद्धता अनिवार्य है, सभी केन्द्र संचालक लाभार्थियों की सहायता जिम्मेदारी और गंभीरता से करें -आयुक्त

प्रधानमंत्री आवास योजना-हितग्राही आवेदनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु नगर निगम में हुई सीएससी, चाइस सेंटर, मोजस्क जनसुविधा केन्द्र संचालकों की बैठक 0

श्री विश्वदीप

रायपुर - नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत हितग्राही आवेदनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु आज सोमवार 8 सितम्बर 2025 को नगर पालिक निगम के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर सीएससीध्चॉइस सेंटरध्मोजस्क जनसुविधा केन्द्र संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि आवेदनों के समय भूमि दस्तावेज स्पष्ट एवं सही हों, सभी दस्तावेज पूर्ण और पठनीय रूप से अपलोड किए जाएँ। नगर पालिक निगम के अधिकारियों द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि कुछ केन्द्रों से अपूर्ण एवं गलत दस्तावेज अपलोड किए जा रहे हैं और लाभार्थियों का पता भी सही दर्ज नहीं किया जा रहा है। भविष्य में इस प्रकार की त्रुटियाँ पाए जाने पर संबंधित केन्द्रों पर कार्यवाही की जाएगी। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चैबे ने कहा कि '÷प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को आवास उपलब्ध कराना है। आयुक्त श्री विश्वदीप ने कहा कि आवेदन प्रक्रिया में पारदर्शिता और शुद्धता अनिवार्य है।

सेवा ही संकल्प : तिमेड़ ग्राम पंचायत में पुल पर हुआ स्वच्छता अभियान

बीजापुर । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को साकार करने हेतु भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत विभिन्न सेवा कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लॉक की ग्राम पंचायत तिमेड़ में रविवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह स्वच्छता कार्यक्रम विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 89 के मतदान केंद्र संख्या 33 पर आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 63 पर स्थित इंद्रावती नदी पर बने छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र को जोड़ने वाले 800 मीटर लंबे पुल की सफाई की गई। इस कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा के मण्डल महामंत्री गिरिजाशंकर तामडी के मार्गदर्शन में सरपंच श्रीमती टी. लक्ष्मी वासम ने किया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जी. वेन्कटेश्वर, जिलाध्यक्ष श्री घासीराम नाग, एवं पूर्व जिलाध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव मुदिल्यार के दिशा-निर्देश में यह अभियान संचालित किया गया। विशेष योगदान देने वालों में पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष व ग्राम पटेल टी. गोवर्धन, पोलिंग बूथ अध्यक्ष एवं वार्ड पंच पोरतेटी नरसैया, पूर्व पंच माधव, उपसरपंच महेश रायपुरे प्रमुख रहे।

ग्रामवासियों और कार्यकर्ताओं का अद्भुत सहयोग

इस सेवा कार्य में ग्राम के वरिष्ठ नागरिक, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर भाग लिया। सेवा ही सद्भावना का लक्ष्य इस मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए ग्रामीणों ने पूर्ण मनोयोग से स्वच्छता अभियान को सफल बनाया।

इस सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में निम्न प्रमुख लोग उपस्थित रहेः

सदाशिव झाड़ी, एस. प्रवीर, एस. सिद्धार्थ, पेद्दी नागेश, जगत सकिनाराप, दीपक, राहुल, आप्पाना, कैलाश, सी. वेन्कटेश्वर, पी. मनोज, रामचंद्रम, गणेश, भगत रामचंद्रम, सुकमन, के. नागेश, केजी किस्टैया, शिवकुमार, शैलेंद्र, भवित, झाड़ी संतोष, बी. भानु, जी. लक्ष्मी, रामबाई, अनसूर्या, बी. लक्ष्मी, रातपेल्ली रामैया, पी. रीना, आत्रम दिनेश, क्रिश, राजू, उसेन्द्र, बी. धनलक्ष्मी, ग्राम पंचायत सचिव अल्लेम कृष्णा राव और रोजगार सहायक सरिता।

विष्णु कैबिनेट की बैठक 9 को

रायपुर संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक 9 सितंबर को दोपहर 3:30 बजे मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित होगी। बैठक खतम होने के बाद कैबिनेट की मीटिंग में क्या कुछ निर्णय लिये गये इसकी जानकारी डिप्टी सीएम अरूण साव मीडिया को देंगे। इसमें धान खरीदी की नीति पर चर्चा कर उस पर मुहर लग सकती है। दरअसल, हर बार सितम्बर में ही धान खरीदी की नीति जारी होती है। किसानों को इस नीति का इंतजार रहता है। बताया जाता है कि इस बार की नीति में कुछ जरूरी बदलाव भी किए जा रहे हैं। इसके अलावा बैठक में राज्योत्सव और रजत जयंती वर्ष की तैयारियों पर चर्चा होगी। इस बार राज्योत्सव को भव्य बनाने की तैयारी है। राज्योत्सव के उद्घाटन के साथ नए विधानसभा परिसर के लोकार्पण की भी तैयारी है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुलाने की तैयारी है।

स्वच्छ गणेशोत्सव अभियान 2025 - इको फ्रेंडली गणेशोत्सव को साकार करने सामने आये भक्तजन

महादेवघाट के पास विसर्जन कुण्ड में 8 सितम्बर को दोपहर 2 बजे तक 3993 छोटी और 1431 बड़ी गणेश मूर्तियों का श्रद्धापूर्ण विसर्जन 0

महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड, पहुंचमार्गो, तालाबों के अस्थाई विसर्जन कुण्ड की विशेष सफाई 0

रायपुर - स्वच्छ गणेशोत्सव अभियान 2025 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण के दिशा - निर्देश अनुसार रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा महादेवघाट खारून नदी के समीप विसर्जन कुण्ड में इको फ्रेंडली श्रीगणेश उत्सव के अंतर्गत खारून नदी के पास विसर्जन कुण्ड तैयार किया है. जिसमें आज लगातार तीसरे दिन दिनांक 8 सितम्बर 2025 को भी सुबह से श्रीगणेश भक्तों का संगम बना रहा और आज 8 सितम्बर को दोपहर 2 बजे तक श्रीगणेश की 3993 छोटी मूर्तियों और 1431 बड़ी मूर्तियों का विसर्जन श्रीगणेश के भक्तजन श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा - अर्चना करके और विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश से अगले वर्ष जल्दी आने की विनम्र प्रार्थना करते हुए कर चुके हैं. श्रीगणेश की मूर्तियों का श्रद्धा और भक्ति के साथ विसर्जन कुण्ड में विसर्जन का सिलसिला लगातार तीसरे दिन जारी रहा और इस हेतु महादेवघाट के पास नगर निगम रायपुर का विसर्जन कुण्ड प्रथम पूज्य देव श्रीगणपति के भक्तों का संगम बना हुआ है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साव के मार्गदर्शन में और रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चैबे, सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देशन में रायपुर नगर निगम द्वारा रायपुर जिला प्रशासन और रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के दिशा - निर्देश पर रायपुर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग, विद्युत पावर कम्पनी, अग्निशमन विभाग, होमगार्ड, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, पीएचई विभाग संस्कृत कॉलेज के सहयोग से 10 पंडितों, 5 क्रेन वाहनों, 80 गोताखोरों, नावों की प्रशासनिक व्यवस्था देने सहित सभी विभागों, रायपुर नगर निगम की मुख्यालय और जोनों की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर 24 घण्टे 8-8 घण्टे की 3 पालियों में दिनांक 6 सितम्बर 2025 को सुबह 6 बजे से दिनांक 12 सितम्बर 2025 को सुबह 6 बजे तक के लिए प्रशासनिक ड्यूटी लगाई गई है।

वहीं बूढ़ातालाब, तेलीबाँधा तालाब, कंकाली तालाब सहित लगभग 3 दर्जन मुख्य विभिन्न तालाबों में नगर निगम रायपुर द्वारा श्रीगणेश भक्तों की सुविधा हेतु अस्थायी विसर्जन कुण्ड रखवाये गए, जहां लगातार तीन दिन पहुंचकर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन पहुंचकर श्रीगणेश की छोटी मूर्तियों का श्रद्धापूर्ण विसर्जन किया. बड़ी संख्या में विभिन्न तालाबों में मोहल्लों से बच्चों और महिलाओं ने तालाबों के अस्थाई विसर्जन कुण्ड में श्रीगणेश की छोटी मूर्तियीं का विसर्जन कर गणपति बप्पा को नम आँखों से विदाई देकर पूजा, अर्चना, आरती सहित भगवान से अगले वर्ष जल्दी आने की विनम्र प्रार्थना की. विभिन्न तालाबों में पहुंचकर बड़ी संख्या में श्रीगणेश भक्तों ने श्रद्धापूर्ण विसर्जन इको फ्रेंडली अस्थाई विसर्जन कुण्ड में किया और खारून नदी और तालाबों को सुरक्षित रखने के अभियान में सम्मिलित हुए।

निगम जोन 7 ने करबला तालाब सौंदर्यीकरण योजना में निर्देशानुसार चबूतरा और बाउंड्रीवाल को तोड़कर पुनः बनवाया, गुणवत्ता बनाये रखने मॉनिटरिंग

सन एंड सन द्वारा तालाब के किनारे डाली गयी मिट्टी को हटाने, विद्युत पोल शिफ्टिंग का कार्य मानसून के बाद तेजी से किया जायेगा, बारिश के चलते तालाब किनारे मिट्टी में नमी के कारण कार्य वर्तमान में धीमी गति से प्रगति पर, कार्यपालन अभियंता दैनिक नियमित निरीक्षण कर रहे 0

रायपुर - रायपुर पश्चिम विधायक और पूर्व केबिनेट मन्त्री श्री राजेश मूणत और रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चैबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल और जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, स्वामी आत्मानंद वार्ड के पार्षद श्री आनंद अग्रवाल के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 7 लोक कर्म विभाग द्वारा अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से जोन 7 अंतर्गत स्वामी आत्मानंद वार्ड अंतर्गत करबला तालाब सौंदर्यीकरण योजना का कार्य 1 करोड़ की लागत से प्रगति पर है. इसके अंतर्गत निर्देशानुसार करबला तालाब सौंदर्यीकरण योजना में चबूतरा और बाउंड्रीवाल को तोड़कर नया बनवाया गया है और जोन 7 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा के निर्देश पर गुणवत्ता बनाये रखने प्रतिदिन कार्यपालन अभियंता श्री ईश्वर लाल टावरे करबला तालाब सौंदर्यीकरण योजना की प्रगति और गुणवत्ता की नियमित मॉनिटरिंग कर सम्बंधित ठेकेदार को इस सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दे रहे है।

करबला तालाब सौंदर्यीकरण हेतु 1करोड़ 44 लाख रूपये की लागत से रिटेनिंग वाल निर्माण का कार्य निरन्तर बारिश से तालाब किनारे मिट्टी गीली और नमीयुक्त होने के चलते व्यवहारिक तौर पर धीमी गति से चल रहा है, जिसमें मानसून के तत्काल पश्चात गति लाई जाएगी. तालाब की मिट्टी गीली और नमीयुक्त होने के कारण विद्युत पोल शिफ्टिंग और सन एंड सन द्वारा तालाब किनारे बड़ी मात्रा में डाली गयी मिट्टी को हटाने का कार्य धीमी गति से चल रहा है. जिसमें मानसून पश्चात गति लायी जाएगी और कार्य को तेजी से पूर्ण किया जायेगा.

सङ्घ शासकीय प्रयास बालक छात्रावास में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 70 छात्रों और कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण

रायपुर - छत्तीसगढ़ सरकार की महत्त्वाकांक्षी मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर के जोन-9 द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट-13 के माध्यम से सङ्घ स्थित शासकीय प्रयास बालक छात्रावास में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में हॉस्टल में निवासरत 70 छात्रों के साथ-साथ रसोइयों एवं अन्य कर्मचारियों का भी स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। यह शिविर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साव के मार्गदर्शन और महापौर श्रीमती मीनल चैबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप तथा नोडल अधिकारी श्रीमती कृष्णा खटीक के दिशा-निर्देशन में आयोजित किया गया।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

योगी सरकार का ऐलान वाकई सराहनीय

उत्तर प्रदेश में हेलमेट का इस्तेमाल नहीं करने वालों के लिए योगी सरकार का ऐलान वाकई सराहनीय है। योगी आदित्यनाथ की सरकार 1 अगस्त से 'हेलमेट नहीं, पेट्रोल नहीं' का विशेष अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग की अपील की है। यह विशेष सड़क सुरक्षा अभियान 30 सितम्बर तक पूरे राज्य में लागू रहेगा। दरअसल, देशभर में बिना हेलमेट लगाए बाइक चालकों की मौत का आंकड़ा व्यापक है। देश में साल 2021 में हेलमेट न पहनने के कारण लगभग 47,000 लोगों की मौत हुई, जो कि हर घंटे चार लोगों की मौत के बराबर है। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं और हेलमेट न पहनने के खतरनाक परिणामों को दर्शाते हैं, खासकर दोपहिया वाहन चलाने वालों के लिए, जहां मौतें अक्सर हेलमेट के इस्तेमाल से रोकी जा सकती है। राज्य सरकार के इस अभियान में परिवहन, पुलिस, राजस्व और जिला प्रशासन के अधिकारी मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

साहित्य जीवन की आलोचना, साहित्य से परिष्कृत जीवन

संजीव ठाकुर ।

मुंशी प्रेमचंद जी ने साहित्य को ÷जीवन की आलोचना÷ भी कहा है। साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है, और उसका रचयिता भी ठीक से नहीं घोषित कर सकता कि उसके द्वारा सृजित साहित्य की अनुगूंज कब और कहां और कितनी दूर तक जाएगी। इस तरह साहित्य का सत्य समाज की दूरदर्शी नैतिक चिंता है। समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला एक बड़ा रक्षक भी है।साहित्य सत्य की साधना शिवत्व की कामना और सौंदर्य की अभिव्यंजना हैद्य शुद्ध, जीवंत एवं उत्कृष्ट साहित्य मानव एवं समाज की संवेदना और उसकी सहज वृत्तियों को युगों युगों तक जनमानस में संचारित करता आ रहा है और यही कारण है कि कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद, शेक्सपियर की कृतियाँ आज भी लोगों के मध्य अपनी रस सुधा से हृदय को भिगोती रहती हैद्य राजनैतिक और भौगोलिक दृष्टि से विश्व कितने ही भागों में बट जाए, मतभेद और विवादों की खाई कितनी भी गहरी हो जाए, पर साहित्य धरातल पर सब सामान्य और एक हैं। दुनिया में मानव एक है जिसकी रचनाएं सभी जगह एक और समान हैद्य यह भी सत्य है कि किसी भी देश की भाषा और साहित्य के अध्ययन के आधार पर वहां की सभ्यता संस्कृति के विकास का सहज विधि का अनुमान लगाया जा सकता है। साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा, उत्थान पतन का स्पष्ट चित्रण होता है। साहित्य की इन्हीं विशेषताओं के कारण साहित्य कालजई और सास्वत होता है। प्राचीन मनीषियों द्वारा लिखा गया साहित्य अत्यंत आकर्षक एवं प्रिय इसलिए भी लगता है कि मनुष्यता का एक संपूर्ण चरित्र चित्रण होता है। साहित्य और संस्कृति एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। मानवी जीवन की तरह साहित्य मैं भी संघर्ष और निरंतरता की निरंतरता समाहित होती है। समय और परिस्थिति की संस्कृति का प्रभाव साहित्य पर निरंतर परिलक्षित होता रहता है। यह साहित्य ही है जो वर्तमान को सामने रख भविष्य की रूपरेखा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज की सुषुप्त विवेक शक्ति को जागृत कर समाज का दिशा दर्शन भी करता है। अपने समय की विसंगतियों को दूर करने के साथ ही गुणात्मक साहित्य सदैव प्रासंगिक बना रहता है। समाज और जनमानस को आलोक स्तंभ की तरह पल्लवित एवं प्रकाशित करता है। वर्तमान के भौतिक समय में जब मानवता और संवेदना की पीड़ा की गूंज सभी जगह फैली हुई है, ऐसे में सत साहिब से और अर्वाचीन संस्कृति दिशा दर्शन और माननीय संवेदनाओं को संबल देने में अत्यंत प्रासंगिक भी है। यह कतई कहने की आवश्यकता नहीं है कि श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर प्रासंगिक मूल्यों,संदेश और उद्देश्यों को समाए रखता है। कबीर दास रविंद्र नाथ टैगोर, शरद चंद, जयशंकर प्रसाद, रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन आदि का साहित्य जनमानस के मन में और जीवन में रच बस गया है। इन्होंने प्रतिभा सापेक्ष श्रेष्ठ रचनाएं समाज को दी हैं।

और यही कारण है इनकी रचनाओं से संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। साहित्य सदैव सामाजिक प्रक्रिया के आर्थिक राजनीतिक और समकालीन विचारधारा से बहुत ज्यादा प्रभावित रहा है। उनको प्रभावित भी करता है। इस तरह साहित्य संस्कृति के परिपेक्ष में देश कालिक होता है। शाहिद आदर्शवादी हो या आशावादी इस संदर्भ में अलग-अलग विद्वानों के अलग-अलग मत हैं। इस जीवन की आपाधापी में जहां निराशा कुंठा और समाजिक अंधविश्वास का भ्रम फैला है। वहां आशावादी दृष्टिकोण साहित्य के दायित्व को और गहरा बनाता है। इन दोनों बातों के समाधान के लिए जयशंकर प्रसाद की चंद पंक्तियां बहुत ही प्रासंगिक होगी कि ÷जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद। साहित्य की पूर्णता के लिए यथार्थवाद और आशावाद दोनों का समन्वित रूप होना चाहिए÷, वास्तव में संस्कृति साहित्य के लिए एक प्रेरणा है ।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

डॉ. जितेंद्र सिंह

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जलमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-÷प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।÷ यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं।

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं।

देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली भारी जन-धन हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस वर्ष की बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं केवल त्रासदी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश हैं-कि प्रकृति के साथ असंतुलन की कीमत हमें अपने अस्तित्व से चुकानी पड़ सकती है। इसलिए विकास की नीतियों को पर्यावरण की दृष्टि से पुनर्परिभाषित करना ही इस संकट से उबरने का वास्तविक मार्ग है।

यह निजी विचार है।

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

हरदीप एस. पुरी -

लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं

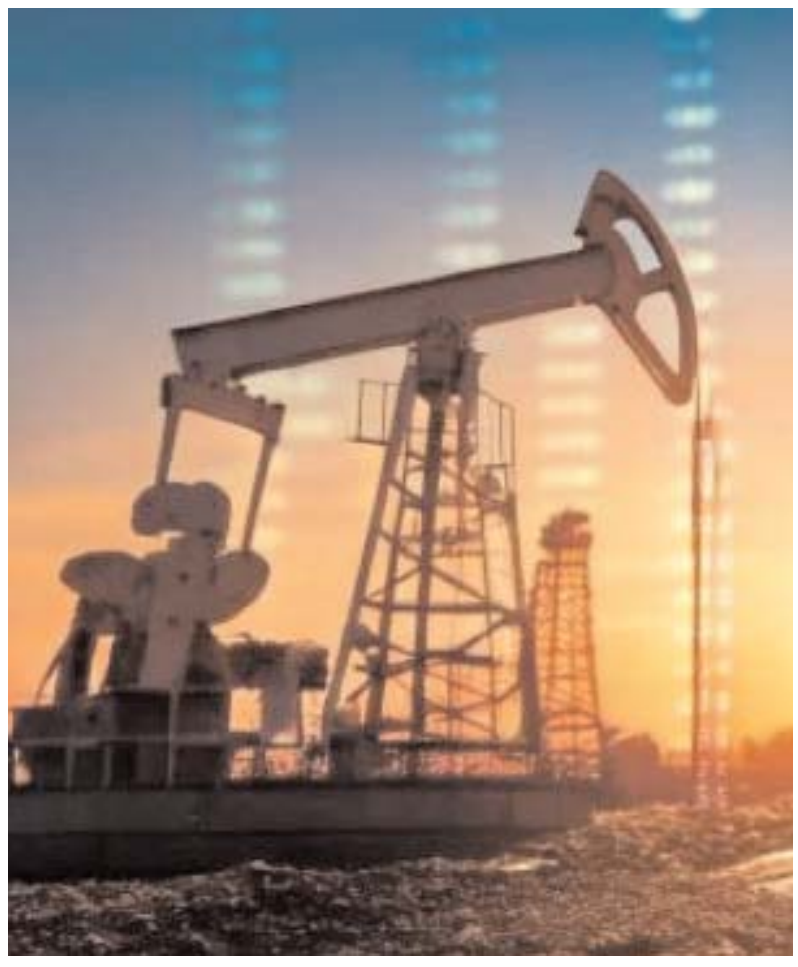

भारतीय सभ्यतामें अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबीसे पहलेपरीक्षाहोती है। समुद्र मंथन, जहांमथने की प्रकिया से अमृत निकला था,इसी तरहहमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ।और आज, भारत को एक मृत अर्थव्यवस्था कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच-तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है। जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरागौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दरपिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है- सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशतबढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोईमनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है।यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतरसार्वजनिक पूंजीगत व्यय वपूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजोंका सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशःअमेरिका और चीनसे भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है।स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्यरखा है –सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह मृत अर्थव्यवस्था की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबीसे बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जलऔर प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा,क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं किहम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रहीहै। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक हैऔर इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियनटन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है।

भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारालक्ष्य2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो)क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी)पारदर्शी वप्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं,बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गईहै और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज़्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुलहुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेजुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया।यह जी7/ईयूमूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैंऔर भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान(शिपिंग)एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं।हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक लौंड्रोमैट बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं।निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं।मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है।

यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत ने यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक कीमतों में उछाल आने पर अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए निर्णायक रूप से कदम उठाए। तेल से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर तक के नुकसान को सहन किया।सरकार ने केन्द्रीय और राज्य के करों में कटौती कीऔर निर्यात से जुड़े नियमों ने यह अनिवार्य किया कि विदेशों में पेट्रोल और डीजल बेचने वाले रिफाइनर को घरेलू बाजार में कम से कम 50 प्रतिशत पेट्रोल और 30 प्रतिशतडीजल बेचना होगा।

इन उपायों ने, काफी राजकोषीय लागत पर, यह सुनिश्चित किया कि एक भी खुदरा दुकान खाली न रहे और परिणामस्वरूप भारतीय घरों के लिए कीमतेंस्थिररहीं। बड़ा सच यह है किवैश्विक तेल का लगभग 10 प्रातशत आपूर्ति करने वाले दुनिया के इस दूसरे सबसे बड़े उत्पादक का कोई विकल्प ही नहीं है। जो लोग उंगली उठा रहे हैं, वे इस तथ्य की अनदेखी करते हैं।वसुधैव कुटुम्बकम के अपने सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूपभारत द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने से 200 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के विनाशकारी झटके को रोका गया।

यह वही मेड इन इंडिया है जो विश्व दृष्टिकोण के लिए भारत में आकार ले रही नई औद्योगिक क्रांति को आकार देता है। इस औद्योगिक क्रांति में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और विशेष रसायन शामिल हैं - जो उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों (पीएलआई)और पीएम गतिशक्ति लॉजिस्टिक्स के सहारे संचालित हैं। सेमीकंडक्टर के उत्पादन में तेजी अब एक नए स्तर पर पहुंच रही है - जो नीतिगत गंभीरता और क्रियान्वयन का प्रमाण है। मंत्रिमंडल ने हाल ही में भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार अतिरिक्त सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी हैऔर प्रधानमंत्री का जापान में एक सेमीकंडक्टर उत्पादन केन्द्र का हालिया दौराऔर जापान की निवेश संबंधी नवीनीकृत प्रतिबद्धताएं एक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं से संबंधित एक साझा रोडमैप को रेखांकित करती हैं।

डिजिटल अर्थव्यवस्था इन लाभों को कई गुना बढ़ा देती है। भारत वास्तविक समय में भुगतान के मामले में दुनिया भर में अग्रणी है। यूपीआई की सर्वव्यापकता छोटे व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ाती हैऔर हमारा स्टार्टअप इकोसिस्टम नवाचार को सेवाओं एवं समाधानों के निर्यात में बदल रहा है। जब डिजिटल तेजीवास्तविक बुनियादी ढांचे के साथ मिलती है, तो प्रभाव बढ़ता है और परिणाम स्वरूप कम टकराव, सुव्यवस्थितऔर निवेश एवं उपभोग का एक बेहतर चक्र सुनिश्चित होता है।

आगे का रास्ता आशाजनक है। स्वतंत्र अनुमानों (ईवाई) के अनुसार, 2038 तक भारत पीपीपी के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद 34 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा। यह प्रगति सतत सुधारों, मानव पूंजी और प्रत्येक उद्यम व परिवार के लिए प्रचुर, स्वच्छ एवं विश्वसनीय ऊर्जा पर निर्भर है।

एक महान सभ्यता की परीक्षा उसके कठिन क्षणों में होती है। अतीत में जब भी भारत की क्षमता पर संदेह किया गया, इस देश ने हरित क्रांतियों, आईटी क्रांतियों और शिक्षा व उद्यम के जरिए लाखों लोगों के गौरवपूर्ण उत्थान के साथ उसका जवाब दिया। आज का समय भी इससे कुछ अलग नहीं है। हम अपने दृष्टिकोण पर टिके रहेंगे, अपने सुधारों को निरंतर जारी रखेंगेऔर अपने विकास को तीव्र, लोकतांत्रिक एवं समावेशी बनाए रखेंगेताकि लाभ सबसे वंचित लोगों तक पहुंच सके। आलोचकों के लिए, हमारी उपलब्धियां ही हमाराजवाबहोंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, विकसित भारत महज एक आकांक्षा ही नहीं, बल्कि उपलब्धि का एक सार हैऔर विकास के ये आंकड़े उस व्यापक कहानी का ताजा अध्याय मात्र हैं।

राष्ट्रपति ने ईईपीसी इंडिया के प्लेटिनम जयंती समारोह में भाग लिया

देश को एक अग्रणी नवाचार अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लें : राष्ट्रपति मुर्मु ने ईईपीसी हितधारकों से कहा

पीआईबी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज (8 सितंबर, 2025) नई दिल्ली में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) भारत के प्लेटिनम जयंती समारोह में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि प्राचीन काल में भारत ने अध्यात्म और व्यापार दोनों में विश्व का नेतृत्व किया था। भारत को एक बार फिर ज्ञान और व्यापार का अग्रणी केंद्र बनाना सभी नागरिकों का संकल्प होना चाहिए। आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हितधारक होने के नाते ईईपीसी को यह संकल्प दृढ़तापूर्वक लेना चाहिए।

राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जताई कि पिछले 10 वर्षों में भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से भी अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि निर्यात में यह वृद्धि तब और भी प्रभावशाली लगती है, जब हम यह देखते हैं कि पिछले दशक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में कई चुनौतियां रही हैं। उन्होंने इस उपलब्धि में योगदान के लिए ईईपीसी की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी अंतर्राष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच एक सेतु का काम करता है। उन्होंने ईईपीसी से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत और भारतीय उद्यमियों की भूमिका का निरंतर विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्व व्यापार व्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था में हो रहे बदलावों के कारण इसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को हमारे देश में उपलब्ध असाधारण क्षमताओं का उपयोग करके अवसरों में बदलने की आवश्यकता है। पिछले सात दशकों में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। ईईपीसी को परिवर्तन की इस प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को निरंतर मजबूत बनाने के लिए कार्य करते रहना चाहिए।

राज्यपाल श्री डेका ने भारत रत्न डॉक्टर भूपेन हजारिका की शताब्दी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

लोकशक्ति। संवाददाता

रायपुर 08 सितंबर 2025। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज राजभवन में प्रख्यात गायक, संगीतज्ञ एवं कवि, भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की शताब्दी जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। राजभवन में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने श्री हजारिका के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राजभवन के अन्य अधिकारीयों एवं कर्मचारीयों ने भी इस महान कलाकार को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. भूपेन हजारिका का जन्म 8 सितंबर 1926 को असम के सादिया में हुआ था। वे न केवल असमिया बल्कि हिंदी और कई भारतीय भाषाओं में गीत गाने वाले महान गायक और संगीतकार थे। उनकी रचनाओं में मानवीय पीड़ा, सामाजिक सरोकार और राष्ट्रीय एकता का स्वर गूंजता था। वर्ष 1992 में उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और वर्ष 2019 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि श्री भूपेन हजारिका का जीवन और योगदान हमें प्रेरणा देता है ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहारनपुर में पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए एक प्रतीकात्मक चेक प्रदान करते हुए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में नेवी चिल्ड्रन स्कूल के छात्रों के साथ बातचीत करते हुए। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी भी मौजूद थे।

भारत के सर्विस सेक्टर की ग्रोथ अगस्त में 15 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंची, पीएमआई 62.9 रहा

नई दिल्ली एजेंसी।

भारत के सर्विसेज सेक्टर की ग्रोथ अगस्त में 15 वर्ष के उच्चतम स्तर पर रही है। इससे सर्विस प्रोवाइडर्स को बीते एक दशक की सबसे तेज कीमतों में बढ़ोतरी का मौका मिला है। यह जानकारी बुधवार को जारी की गई रिपोर्ट में दी गई।

एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज परचेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अगस्त में 62.9 रहा है, जो कि जुलाई में 60.5 था। जब भी पीएमआई 50 से ऊपर होता है तो यह बढ़ोतरी को दिखाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी के अनुसार, नए ऑर्डरों में वृद्धि के कारण, भारत का सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स पिछले महीने पंद्रह वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त में मांग का एक प्रमुख संकेतक नया व्यवसाय जून 2010 के बाद से सबसे तेज दर से बढ़ा। अंतरराष्ट्रीय मांग में मजबूती आई है और निर्यात ऑर्डरों में 14 महीनों में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई।

मजबूत विदेशी मांग ने सर्विस प्रोवाइडर्स को ग्राहकों के लिए कीमतों में और अधिक आक्रामक वृद्धि करने में सक्षम बनाया। उत्पादन मूल्य मुद्रास्फीति जुलाई 2012 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और इनपुट लागत नौ महीनों में सबसे तेज दर से बढ़ी।

वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर नई दिल्ली में 'डायलॉगनेक्स्ट' सम्मेलन का आयोजन

देशभर से आए वरिष्ठ नीति निर्माता, विशेषज्ञ, वैज्ञानिक व किसान गहन चर्चा और भावी रणनीतियों को लेकर एकत्रित

पीआईबी

वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर नई दिल्ली में 8-9 सिंतबर, 2025 तक दो दिवसीय 'डायलॉगनेक्स्ट' सम्मेलन का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कन्वेंशन सेंटर में किया गया। आज सम्मेलन के पहले दिन देश भर से जुटे वरिष्ठ नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर गहन चिंतन-मंथन किया। इस दो दिवसीय उच्च स्तरीय कार्यक्रम का उद्देश्य विश्व के खाद्य भविष्य को सुरक्षित करने हेतु महत्वपूर्ण नवाचारों की खोज करना और उन्हें गति प्रदान करना है।

वर्ल्ड फूड प्राइज़ फाउंडेशन द्वारा सीआईएमएमआईटी, बोरलॉग इंस्टीट्यूट फ़ॉर साउथ एशिया (बीआईएसए) तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के साथ साझेदारी में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस वर्ष भी सम्मेलन का विषय पिछले वर्ष मेक्सिको में आयोजित डायलॉगनेक्स्ट के अनुरूप ही किसान उन्मुख है। इस वर्ष डायलॉगनेक्स्ट की थीम है- ÷इसे किसान तक ले चलो÷। इस सम्मेलन द्वारा वैश्विक दक्षिण में परिवर्तनकारी कृषि समाधानों की किसानों तक पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि ÷उभरते वैश्विक मेगाट्रेंड कृषि-खाद्य प्रणालियों के लिए जटिल चुनौतियाँ पेश कर रहे हैं, जिनके लिए छोटे किसानों को केन्द्र में रखकर, व्यवस्थित समाधानों और उनके त्वरित क्रियान्वयन की आवश्यकता है।÷ उन्होंने कहा कि इसके लिए अत्याधुनिक विज्ञान, नवाचारों एवं खोज से लेकर वितरण तक की साझेदारियों में अधिक निवेश की आवश्यकता है। चूँकि भारत में कृषि परिवर्तन तीव्र गति से हो रहा है, ऐसी स्थिति में यह देश, वैश्विक दक्षिण के लिए लघु कृषि नवाचार के केन्द्र के रूप में कार्य कर सकता है। सम्मेलन में श्री निकोल प्रेंगर, वरिष्ठ निदेशक, वैश्विक कार्यक्रम तथा रणनीतिक संचार, वर्ल्ड फूड प्राइज़ फाउंडेशन ने कहा कि डॉ. नॉर्मन बोरलॉग द्वारा भारत को अर्ध-बौने गेहूँ की खेती शुरू करने में मदद करने तथा एक दशक से भी कम समय में उत्पादन दोगुना करने के साथ-साथ संभावित अकाल की स्थिति को टालने के 60 साल बाद, भारत में इस सम्मेलन का आयोजन एक सम्मान की बात है। उन्होंने आगे कहा कि डायलॉगनेक्स्ट को आने वाले दशकों में बढ़ती वैश्विक आबादी को स्थायी रूप से भोजन उपलब्ध कराने हेतु 'मूनशॉट' प्रयास के कार्य-योजना को गति देने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

इस सम्मेलन के लिए एशिया, यूरोप और अमेरिका के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, वैज्ञानिक और कृषि नेता जिनमें श्री थिनले नामग्याल, सचिव, कृषि और पशुधन मंत्रालय, भूटान, श्री गोविंदा प्रसाद शर्मा, सचिव, कृषि और पशुधन विकास मंत्रालय, नेपाल, श्री मैक्सिमो टोरेरो कुलेन, मुख्य अर्थशास्त्री, खाद्य एवं कृषि संगठन, संयुक्त राष्ट्र भागीदारी के लिए आए हैं। साथ ही लोवा से अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल जिसमें शामिल श्री किम रेनॉल्ड्स, गवर्नर, माननीय माइक नाइग, कृषि सचिव एवं ब्रेंट जॉनसन, अध्यक्ष, लोवा फार्म ब्यूरो फेडरेशन ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया, वैश्विक प्रगति के लिए अंतरिक्ष का उपयोग करने का आह्वान

भारत ने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष लक्ष्य निर्धारित किएः 2040 तक चंद्र मिशन, 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन

डॉ. सिंह ने भारत के अंतरिक्ष सुधारों की रीढ़ के रूप में 300 से अधिक स्टार्टअप पर प्रकाश डाला

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए वैश्विक सहयोग पर जोर दिया

पीआईबी

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि भारत अपनी अंतरिक्ष यात्रा में एक परिवर्तनकारी चरण में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन से लेकर 2040 तक चंद्रमा पर एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को उतारने जैसे महत्वाकांक्षी लक्ष्य शामिल हैं। वे ÷वैश्विक प्रगति के लिए अंतरिक्ष का उपयोगः नवाचार, नीति और विकास÷ के विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन 2025 के उद्घाटन सत्र को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

हाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. सिंह ने चंद्रयान-3 की सफलता का जिक्र किया, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनकर भारत को अग्रणी अंतरिक्ष यात्री देशों में शामिल कर दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय वायु सेना अधिकारी, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की उपलब्धियों के बारे में भी बताया और मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान के साथ-साथ मंगल, शुक्र और क्षुद्रग्रहों पर भारत के आगामी अन्वेषण अभियानों की भी चर्चा की।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए सुधारों की भूमिका पर जोर दिया, जिन्होंने इस क्षेत्र को निजी भागीदारी, स्टार्टअप और शिक्षा जगत के लिए खोल दिया है। वर्तमान में प्रक्षेपण यान, उपग्रह और भू-प्रणाली जैसे क्षेत्रों में 300 से ज़्यादा स्टार्टअप सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि युवा पेशेवरों के लिए रोजगार, निवेश और अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष का असली मूल्य कृषि और स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा, शहरी विकास और शासन तक रोजमर्रा की जिंदगी में इसके उपयोग में निहित है। उन्होंने कहा, ÷अंतरिक्ष के माध्यम से हर क्षेत्र को सशक्त बनाना चाहिए और आम नागरिक की सेवा करनी चाहिए।÷

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। उन्होंने अमेरिका के साथ संयुक्त नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) मिशन और जापान के साथ आगामी चंद्रयान-5 चंद्र मिशन जैसी हालिया साझेदारियों का हवाला दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह का सहयोग दर्शाता है कि अंतरिक्ष वैश्विक जुड़ाव के लिए एक सशक्त मंच के रूप में कैसे काम कर सकता है।

उन्होंने कहा कि कौशल विकास भारत की अंतरिक्ष रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है। इसरो के आउटरीच कार्यक्रमों, अकादमिक उत्कृष्टता केंद्रों और उद्योग-अकादमिक सहयोग के माध्यम से, देश उपग्रह डिजाइन, प्रोपल्सन, एआई-संचालित अनुप्रयोगों और अंतरिक्ष कानून जैसे क्षेत्रों में प्रतिभाओं को पोषित कर रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में भारत और विदेश से 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिनमें सरकारी प्रतिनिधि, शिक्षाविद, उद्योग जगत के दिग्गज और स्टार्टअप शामिल हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस क्षेत्र में नवाचार, नीति और विकास पर चर्चा के लिए हितधारकों को एक मंच प्रदान करने के लिए सीआईआई की सराहना की।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के इस विजन को भी याद किया कि 21वीं सदी भारत की है, जिसमें अंतरिक्ष एक ऐसे क्षेत्र के रूप में उभरेगा जहां राष्ट्र के नेतृत्व को विश्व स्तर पर मान्यता मिलेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल न केवल कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा में बदलाव लाएगा, बल्कि शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण को भी मजबूत करेगा। डॉ. सिंह ने सीआईआई की राष्ट्रीय अंतरिक्ष समिति के गठन का स्वागत किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह एक मजबूत इको-सिस्टम के निर्माण हेतु स्थापित उद्यमों और नए जमाने के स्टार्टअप को एक साथ लाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगी।

प्रोजेक्ट धड़कन' आंगनबाड़ी एवं शासकीय विद्यालयों के 94 बच्चों का नि:शुल्क हृदय रोग जांच किया गया

रायपुर,

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन रायपुर की नवाचारी पहल ÷प्रोजेक्ट धड़कन÷ के अंतर्गत में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों के जन्मजात हृदय रोग की प्रारंभिक पहचान हेतु स्क्रीनिंग की गई। जिसके तहत आज आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 19 बिरगांव में 65 बच्चों की जांच की गई। जिसमें 27 छात्र एवं 38 छात्राएं शामिल रही। जिसमें 01 बच्चा सस्पेक्टेड मिला एवं आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 21 व्यास नगर में 29 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 15 छात्र एवं 14 छात्राएं शामिल रहे तथा कोई भी बच्चा सस्पेक्टेड नहीं मिला। आगे जांच के लिए श्री सत्य साई हॉस्पिटल, नवा रायपुर में भेजा जाएगा।

प्रोजेक्ट धड़कन का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों एवं शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के लक्षणों की प्रारंभिक पहचान, जांच एवं निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करना है। तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर में नीलापन, बार-बार सर्दी-खांसी, सांस लेने में तकलीफ तथा स्तनपान के समय पसीना आना जैसे लक्षणों के आधार पर बच्चों की जांच की जाती है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं, प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के दिए निर्देश

आज जनदर्शन में 59 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना एवं अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त आवेदन को प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 59 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में विकासखंड बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम ताल देवरी निवासी श्री उमेश खुटे द्वारा बैटरीचलित ट्रायसायकिल दिलाने आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को जाँच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार तहसील अकलतरा अंतर्गत ग्राम भैसतरा श्री धनीराम कश्यप रिकार्ड दुरुस्ती करने, तहसील बलौदा के ग्राम चारपारा निवासी संगीता गोस्वामी मुआवजा राशि दिलाने, ग्राम अंगारखार निवासी भीखम लहरे राशनकार्ड संबंधी, विकासखंड बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम कपिसदा निवासी श्री मनमोहन यादव ने अपने जमीन से बेजा कब्जा हटवाने, श्री सुरेंद्र मनहर पशुशेड निर्माण करवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मांग एवं समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनदर्शन में पीएम आवास पेंशन, सहायता राशि दिलाने, सीमांकन कराने सहित अन्य विषयों से संबंधित कुल 59 आवेदन प्राप्त हुए।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की मासिक बैठक संपन्न

राजनांदगांव । अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला राजनांदगांव के सैन्य मातृशक्तियों की मासिक बैठक दिनांक 7 सितंबर 2025 को डोंगरगढ़ में सम्पन्न हुआ जिसमें जिला राजनांदगांव एवं डोंगरगढ़ ब्लॉक के सदस्यों ने भाग लिया। जिसमें डोंगरगढ़ में चलाए जा रहे नि:शुल्क *योद्धा* फिजिकल एकेडमी के लिए आवश्यक जरूरतों पर चर्चा एवम समीक्षा किया गया।बैठक में आगामी शारदीय नवरात्रि एवं दशहरा मिलन कार्यक्रम जिला राजनांदगांव के प्रतिष्ठित सामाजिक संस्थान में शामिल होकर मनाया जाना है।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा 40 वे राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा आयोजित.....

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन ने नेत्रदान पखवाड़े में काव्य गोष्ठी द्वारा जन जागरूकता फैलाई ....सुशीला फरमानिया

जांजगीर चांपा - संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा 40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर 25 अगस्त से 8 सितंबर 2025 तक प्रथम बार नेत्रदान पखवाड़े का आयोजन किया गया। इसी क्रम में 5 सितंबर 2025 को ऑनलाइन नेत्रदान विषयक काव्य गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन - अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन की सदस्य श्रीमती रीता लोधा (चाकुलिया, झारखंड) ने किया।

दीप प्रज्वलन - श्रीमती प्रेमलता गोयल (प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़) ने किया। श्रीमती पुनम जयपुरिया (यवतमाल, महाराष्ट्र) ने गणेश वंदना किया । सरस्वती वंदना - श्रीमती हेमा जालान (मुंगेर, झारखंड) व श्रीमती कमलेश गर्ग (बाड़ी धौलपुर, राजस्थान) द्वारा की गई।

कार्यक्रम के तकनीकी संचालन की जिम्मेदारी श्रीमती मधु डूमरेवाल ने संभाली। स्वागत उद्बोधन अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती सुशीला फरमानिया ने दिया।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल (आसनसोल, पश्चिम बंगाल), संस्थापक सचिव प्रदीप सराफ(कोलकाता, पश्चिम बंगाल), संस्थापक कोषाध्यक्ष गणेश प्रसाद जी भरतिया (रानीगंज, पश्चिम बंगाल) एवं राष्ट्रीय चेयरमैन अग्र कार्य योजना जगदीश प्रसाद अग्रवाल (बिल्हा, छत्तीसगढ़) ने नेत्रदान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और समाज को नेत्रदान हेतु प्रेरित किया।

विशेष आकर्षण रहा ÷नेत्रदान गीत÷ का विमोचन, जिसे श्रीमती कमलेश गर्ग द्वारा लिखा गया एवं श्रीमती सुशीला फरमानिया के मार्गदर्शन में तैयार कराया गया।इस ऑनलाइन काव्य गोष्ठी में 11 राज्यों की 20 कवियित्रियों ने अपनी स्वरचित रचनाओं से श्रोताओं को भाव-विभोर किया और नेत्रदान हेतु प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों को संस्था की ओर से ÷सम्मान पत्र÷ प्रदान किया गया।

प्रतिभागी कवियित्रियां ,श्रीमती मधु रूंगटा 'भव्या' (मुंगेर, बिहार),श्रीमती ललिता अग्रवाल 'आशना' (सम्बलपुर, ओडिशा), श्रीमती नीलम अग्रवाल 'दीक्षिता' (भुवनेश्वर, ओडिशा),श्रीमती हेमा अग्रवाल 'कनक' (मुंगेर, बिहार),श्रीमती कमलेश गर्ग आर्या 'नलिन' (बाड़ी, राजस्थान), श्रीमती दर्शना अग्रवाल (आताबिरा, ओडिशा),श्रीमती मधु झुनझुनवाला 'अमृता' (जयपुर, राजस्थान), श्रीमती अनिता अग्रवाल 'नमिता' (घाटशिला, झारखंड),श्रीमती पिंकी बजाज पारुल (सरुपथार, असम), श्रीमती उषा केडिया (चेन्नई, तमिलनाडु), श्रीमती बिमला गर्ग (बाड़ी, राजस्थान), श्रीमती ऊषा मित्तल (बाड़ी, राजस्थान),

श्रीमती उषा टीबड़ेवाल (चेन्नई, तमिलनाडु),श्रीमती अपर्णा पोद्दार 'शैलजा' (सम्बलपुर, ओडिशा),श्रीमती ममता अग्रवाल 'स्नेह' (हरसिद्धि, बिहार), श्रीमती नीलम अग्रवाल 'रत्न' (बेंगलुरु, कर्नाटक),श्रीमती विमलेश बंसल आर्या 'पुनीता' (दिल्ली),श्रीमती निशा प्रकाश 'दिव्या' (पूर्णिया, बिहार),

श्रीमती अनामिका अग्रवाल 'मुस्कान' (खरसिया, छत्तीसगढ़),श्रीमती सुषमा अग्रवाल (नागपुर, महाराष्ट्र)।

मुख्य अतिथि श्रीमती व्यंजना आनंद 'मिथ्या' (बेतिया, बिहार) एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती शोभा अग्रवाल (पटना, बिहार) तथा श्री किशोर जैन 'किसलय' (लंदन, यूनाइटेड किंगडम) ने इस अनूठे आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम का समापन श्रीमती सुशीला फरमानिया (राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

विधायक कश्यप की उपस्थिति में युवकों ने किया कांग्रेस प्रवेश

संवाददाता।

पार्टी की नीति व विधायक ब्यास कश्यप के सक्रियता से प्रभावित युवकों ने थामा कांग्रेस का दामन

जांजगीर-चाम्पा। जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर-चाम्पा की विस्तारित बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त जिला प्रभारी आशीष सिंह ठाकुर एवं जांजगीर-चाम्पा विधायक ब्यास कश्यप तथा जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर-चांपा के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश पैगवार की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी की नीति से प्रभावित होकर जांजगीर नगर के युवा नेता लाला राठौर ने कांग्रेस पार्टी में प्रवेश लिया। लाला राठौर के साथ शिव शंकर टंडन, दिनेश सिरमौर, कुंभ सारथी, गोलू सारथी, रवि यादव, विकी पैगवार, ईश्वर साहू, अजित राठौर ने भी कांग्रेस का गमछा पहन कांग्रेस प्रवेश किया। विदित हो कि अकलतरा रोड जांजगीर स्थित होटल हरियाली हेरीटेज में 7 सितंबर रविवार को संगठन सृजन अभियान के तहत मंडल एवं सेक्टर पुनर्गठन कार्य की समीक्षा एवं 9 सितंबर को बिलासपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली की तैयारी के लिये बैठक आयोजित किया गया था। बैठक में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दिनेश शर्मा, जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सदस्य लोकेश राठौर, नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला के नेता प्रतिपक्ष प्रिंस शर्मा, महिला कांग्रेस कमेटी से श्रीमती सीमा शर्मा सहित पार्टी के सक्रिय कार्यकर्तागण विशेष रूप से मौजूद रहे।

जांजगीर राजपूत क्षत्रिय समाज सेवा समिति का प्रांतीय निर्वाचन सम्पन्न।

देवेश कुमार सिंह अध्यक्ष ,सुरेश सिंह क्षत्रिय सचिव ,एवं पवन सिंह कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित

जांजगीर चांपा / छत्तीसगढ़ प्रांतीय स्तरीय जांजगीर राजपूत क्षत्रिय समाज सेवा समिति की प्रथम निर्वाचित कार्यकारणी की घोषणा आज दिनांक 7 सितंबर 2025 रविवार पितृ पक्ष प्रारंभ के सुअवसर पर निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह क्षत्रि द्वारा समस्त निर्वाचन नियमावली का पालन करते हुए प्राप्त नामांकन पत्रों के आधार पर पूर्व निर्धारित पदों की घोषणा करते हुए नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदत किया गया ,कार्यक्रम का आयोजन समिति के प्रांतीय कार्यालय टी एस प्लाजा में चंद्र ग्रहण सूतक काल के पूर्व 11 बजे से 12 .55 तक सम्पन्न किया गया

इस अवसर पर सर्वप्रथम स्मृतिशेष टीकम सिंह जी की स्मृति में निर्मित सभागार में विभिन्न ग्रामों से पधारे राजपूत क्षत्रियों की उपस्थिति में कार्यवाही प्रारंभ हुआ जिसके तहत सर्वप्रथम निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह क्षत्रि द्वारा अध्यक्ष पद हेतु ठाकुर देवेश कुमार सिंह ,सचिव पद हेतु सुरेश सिंह क्षत्रिय एवं पवन सिंह चंदेल को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया ।

उक्त तीनों पदों पर निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा होते ही टी एस प्लाजा सभागार में उपस्थित राजपूत क्षत्रिय समाज के वरिष्ठ एवं युवा सदस्यों में हर्ष व्याप्त हो गया एवं उनके द्वारा आतिश बाजी करते हुए तीनों पदाधिकारियों का पुष्पमाला से आत्मीय अभिनंदन किया इस अवसर पर नव निर्वाचित अध्यक्ष देवेश कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में सामाजिक एकजुटता ,प्रतिबद्धता एवं समर्पण को जीवन का लक्ष्य मानते हुए सभी स्वजनों को समाहित करते हुए राजपूत क्षत्रिय कुल परंपराओं का निर्वहन करते हुए ,तत्कालीन समाज सापेक्ष विषयों एवं युवा पीढ़ी को आत्मनिर्भरता पर प्रोत्साहन पर ध्यान केंद्रित करते रहने का संकल्प लिया ,सचिव सुरेश सिंह क्षत्रिय ने सभी स्वजनों को अभियान चलाकर पंजीकृत सामाजिक संस्था में जोड़ने की बात कही ,कोषाध्यक्ष पवन सिंह चंदेल ने समस्त ग्रामों में यथाशीघ्र पहुंचकर अधिक से अधिक स्वजनों से प्रत्यक्ष भेंट कर सदस्य बनाने की बात कही ।कार्यक्रम संचालन आशीष सिंह महंत एवं आभार भूपेंद्र सिंह छोटा राणा ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यवाहक अध्यक्ष ठाकुर श्रवण सिंह शुभकामना संदेश से हुआ जिसमें सर्वश्री रवेंद्र सिंह पचेड़ा , अर्जुन सिंह क्षत्रिय अवरिद ,शिवचमन सिंह , मनरमन सिंह ,जांजगीर ,मन्ना सिंह राणा बूढ़ेना ,मुन्ना सिंह ,मुकेश सिंह ,नरेश सिंह कोड़ाभाट,किशोर सिंह ,प्रजेश सिंह ,पीसोद ,जगदीश सिंह ,राजवीर सिंह आछोला ,प्रशांत सिंह बंटी सरपंच ,प्रदीप सिंह छोटू जगमहंत,शिवेंद्र सिंह सरपंच,मिथलेश सिंह सेमरा , किशोर सिंह धुरकोट ,वीरेंद्र सिंह तेंदुवा ,श्रीधर सिंह दारांग ,अवधेश सिंह ,प्रबल सिंह भैंसमुडी,घनश्याम सिंह हाथनेवरा,बसंत सिंह लाला ,बुद्धराज सिंह महंत ,धर्मेंद्र सिंह कल्याणपुर ,निक्कू सिंह सेंवई युवराज सिंह ,निशु सिंह ,विक्की सिंह ,सौमित्र सिंह,राकेश सिंह सुकली,कौशलेंद्र सिंह बीरकोनी,वंशराज सिंह लटिया सहित राजपूत क्षत्रिय परिवार के सदस्य उपस्थित थे,जिन्होंने समाज में सभी स्वजनों के मान,सम्मान सम्मान एवं स्वाभिमान हेतु हरसंभव कार्य करने संकल्प लिया ।

पुलिस चौकी सुरगी के 27 गांवो मे पहले हुई पूर्ण शराब बंदी,नहीं माने तो लगाया जुर्माना

राजनांदगांव। जिला पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव के दिशा निर्देश एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में पूरे जिले पर नशा मुक्ति अभियान व्यापक स्तर पर चलाए जा रहा है इसी के तहत जिले के पुलिस चौकी सुरगी अंतर्गत कुल 27 ग्राम आते हैं इन 27 ग्रामों में सर्व समाज प्रमुखों,स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पुलिस चौकी सुरगी प्रभारी शंकर गिरी गोस्वामी एवं उनके स्टॉप टीम के सराहनीय प्रयास से पूर्ण शराबबंदी हुई है।

पुलिस चौकी सुरगी द्वारा गांव गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रही है और शराब, गांजा सेवन से होने वाले नुकसान को बताकर जागरूकता करने का कार्य निरंतर कर रही है। पूर्ण शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब,गांजा की बिक्री करने वालों चोरी छिपे इस काम को अंजाम देने का कार्य कुछ ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा था। जिसे ग्रामीणों ने पकड़कर वापस ग्राम में बैठक लेकर उन पर जुर्माना दंडित किया गया ताकि वह दोबारा और ना कर सके। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मोखला में तीन व्यक्तियों को दंडित जुर्माना वसूला गया है जिसे दंडित राशि एक व्यक्ति से 21,000 रुपए, दूसरे व्यक्ति से 20,000 रुपए,तीसरे व्यक्ति से 10,000 रुपए की जुर्माना दंडित में वसुला गया हैजन प्रतिनिधियो ने बताया कि दंडित राशि का इस्तेमाल ग्राम विकास के कार्यों मे उपयोग किया जावेगा।

इसी तरह से ग्राम भर्रेगांव मे शराब बेचने वाले से 31,000 हजार और शराब पीकर गाली गलौच करने से वाले से 5100 रुपए दंडित जुर्माना लिया गया है। ग्राम आरला मे भी शराब पीकर गाली गलौच करने वाले से 5000 हजार जुर्माना लिया गया।

बता दें कि बीते कुछ माह पूर्व ही इन 27 ग्रामों में एक ऐतिहासिक और बड़ा फैसला लेते हुए गांव की सीमाओं की भीतर शराब और गांजा की बिक्री व सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था नशा मुक्ति की दिशा में उठाए गए इस कदम का गांव के लोगों ने सर्वसम्मति समर्थन किया व नियम तोड़ने वालों पर भारी भरकम दंड का प्रावधान किया गया और ग्राम सभा में तय की आगे की गांव में यदि कोई व्यक्ति शराब या गांजा बेचते हुए पकड़ा जाता है तो उन पर 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा और खरीदने वालों को भी नहीं छोड़ा जाएगा ऐसे लोगों से 20,000 रुपए दंड वसूला जाएगा।

महिलाएं एवं स्कूली बच्चे परेशान शराब सेवन से पति पत्नी प्रतिदिन लड़ते झगड़ते की शिकायत आए दिन थाने में आते रहते हैं जिसमें महिलाओं कि अक्सर शिकायत रहती है कि उनके पति शराब पीकर गंदी-गंदी गालियां एवं मारपीट करती है और बच्चों को भी यह सब सहन करना पड़ता है। उनके घर का पारिवारिक स्थिति दिन पर दिन बिगड़ती रहती है। स्कूली बच्चे गलत संगति के चक्कर में शराब सेवन करते हैं जिसका खामियाजा उनके मां-बाप को भुगतना पड़ रहा है छोटी उम्र में शराब सेवन की लत उन्हें मौत की मुंह की ओर ले जा रही है। महिलाएं अपनी मेहनत मजदूरी करके अपने घर का लालन पालन करती है लेकिन शराबी पति द्वारा अपने घर के चावल, सोना चांदी अन्य सामग्री को बाजार मे बेचकर शराब पीते रहता है।

प्रदेश कांग्रेस द्वारा बिलासपुर में 9 सितंबर को आयोजित वोट चोर , गद्दी छोड़ कार्यक्रम में हजारों की संख्या में जांजगीर से जाएंगे कांग्रेसी

जिला कांग्रेस का विस्तारित बैठक संपन्न

जांजगीर चांपा /

जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर चांपा की विस्तारित बैठक जांजगीर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला के लिए नियुक्त प्रभारी आशीष सिंह जी , कार्यकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक रमेश पैगवार , जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप एवं वरिष्ठ पदाधिकारीयों के उपस्थिति में संपन्न हुआ जिसमें 9 सितंबर को प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित वोट चोर, गद्दी छोड़, विशाल आम सभा/रैली दोपहर 12:00 बजे से बिलासपुर मुंगेली नाका मैदान मेअखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट जी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज जी, छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत जी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी एवं प्रदेश के सभी वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी, सांसद, विधायकगण के उपस्थिति में आयोजित होना है जिसके तैयारी के लिए एवं संगठन सृजन व अन्य संगठनात्मक गतिविधियों के लिए विस्तारित बैठक आयोजित की गई।

बिलासपुर में होने वाले वोट चोर, गद्दी छोड़ कार्यक्रम में सभी ब्लॉकों से कांग्रेस जन भारी संख्या उपस्थित होने के लिए आस्वस्त किए, कार्यक्रम के प्रारंभ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के तैल चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर धूप दीप प्रज्वलित किए। एआईसीसी राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट जी के जन्म दिवस पर केक काटकर प्रसाद वितरण कर जन्मदिन भी मनाए , कार्यक्रम के अंत में छत्तीसगढ़ भाजपा सरकार के वरिष्ठ मंत्री केदार कश्यप जी, द्वारा जगदलपुर में दैनिक वेतन भोगी लकवा ग्रस्त कर्मचारी के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट करने के विरोध में मंत्री केदार कश्यप के इस्तीफा की मांग को लेकर पुतला दहन भी किया गया

कार्यक्रम में जिला प्रभारी आशीष सिंह, जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप, जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश पैगवार, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी रघुराज प्रसाद पांडे, संदीप यादव, प्रिंस शर्मा, देव कुमार पांडे, लोकेश राठौर, महारथी बघेल, श्रीमती सीमा राजू शर्मा, भगवान दास गढ़वाल, राजेश अग्रवाल, शिशिर द्विवेदी, नवल सिंह ठाकुर, सदन यादव, सुनील साधवानी, चिंताराम राठौर, गोविंद कश्यप, महेश्वर टंडन, दिनेश मीरि आदि ने विचार व्यक्त किये कार्यक्रम का संचालन रफीक सिद्दकी ने एवं आभार प्रदर्शन नागेंद्र गुप्ता ने किया ।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉक्टर परस शर्मा, अजीत सिंह राणा, उत्तम पाटले, सुखराम गरेवाल, किशन सोनी, मनोज तिवारी, पार्षद गण अरमान खान, विष्णु यादव, देवराज सिंह, श्रीमती रेखा सोनवान, श्रीमती जगदेश्वरी सूर्यवंशी, घासीराम चौहान, अशोक सोनवानी, हृदय अनंत, राइस किंग खुटे, विजय गढवाल, लच्छी लदेर, श्रीमती अजय शशि जगत, शशिकांता हंसेलिया, वर्षा सिंह, मनोरमा पाटेकर, चंपा प्रधान, कांति केसरवानी, संगीता यादव, अनिता प्रकाश,दिलदार खान, विजय प्रकाश तिवारी, रामविलास राठौर, रामगोपाल राठौर, पवन कश्यप,गौरव सिंह, पंकज शुक्ला, आकाश तिवारी, दिवाकर सिंह राणा, राजू सूर्यवंशी, आमिर अनंत, अनिल साहू, सुरेंद्र पांडे, मनोहर प्रधान, रामकृष्ण साहू, आकाश सिंह, बसंत सिंह पवार, सूतिक उपवेजा, जेपी साहू, द्वास बरेठ, दुर्योधन यादव, दीपक साहू, राजू शर्मा, रवि शर्मा, केशव सेन, रामचरण साहू, अंशु यादव, हरिचंद्रा, राजेश्वर साहू, शक्ति गढ़वाल, अनिल राठौर, संजय कश्यप, राजू साहू, जितेंद्र कश्यप, कमलेश ताम्रकार, हर्षवर्धन सिंह, बनवासी बिझवार, धनपति करियारे, दिनेश महंत, जमुना राठौर, दिलदार सिंह लसार, चंद्र कुमार ओग्रे, पुष्पराज सिंह, प्रतिपाल सिंह, अविनाश लाटा, राजेश जैन, जयप्रकाश लाला, जितेंद्र वर्मा, जवाहर दुबे, सुरेश सिंह राज, अलख राम, मारकंडे साहू, रामनाथ पटेल, बृहस्पति सिंह कंवर, दिलीप कश्यप, अनुराग राठौर, सुजलराठौर, रविकांत कश्यप, दीपांशु राठौर, अनुभव राठौर, राधेश्याम नोर्गे, मुकेश कुमार, संतोष यादव, संतोष कुमार, सुनील राठौर, राकेश चंद्र, अब्दुल वहाब, शिवा शास्त्री, राजकुमार साहू, मनीष तिवारी, शिवम सोनी, गजानंद बिंझवार, मनोज अग्रवाल, हरेंद्र कुमार, जीतराम साहू, रामदयाल साहू, गोविंद केसरवानी, लाला जायसवाल,पुसाउ राम, संजय कश्यप, प्रीतम कश्यप, दिनेश पांडे, जितेंद्र दिनकर, नीरज खूटे, लिंकन रात्रे, बलवीर सिंह ढिल्लों, सफीक खान, अतिक कुरैशी, चक्रधर कुंभकार सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिनी माता(महिला उत्थान), वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार एवं बहादुर कलारिन सम्मान वर्ष 2025, आवेदन 26 सितम्बर तक आमंत्रित

जांजगीर-चांपा/

छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा राज्य अलंकरण सम्मान समारोह में महिलाओं, विशेष रूप से अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के उत्थान हेतु मिनी माता(महिला उत्थान), वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार एवं बहादुर कलारिन सम्मान वर्ष 2025 के लिए 26 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि उत्कृष्ट कार्य करने वाली राज्य की महिलाओं एवं अशासकीय संस्थाओं के योगदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ''मिनीमाता सम्मान (महिला उत्थान)'' प्रदान किया जाएगा। इसके अंतर्गत एक महिला या संस्था को 2 लाख रुपये की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका से सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष एवं नारी उत्थान हेतु अभूतपूर्व कार्य करने वाली राज्य की महिला को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से '' बहादुर कलारिन सम्मान'' अंतर्गत एक महिला को 2 लाख रुपये की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका प्रदान की जाएगी।

खास खबर

दादर खुर्द क्षेत्र में तालाब का टूटा मेड-आवागमन बाधित

0 वाहन दुर्घटना में घायल व्यक्ति आईसीयू में भर्ती

कोरबा, कोरबा अंचल के वार्ड क्रमांक 34 दादर खुर्द क्षेत्र के पुराने तालाब का मेड गत रात्रि अचानक टूट गया, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। टूटे हुए मेड के हिस्से से होकर निकलना लोगो के लिये जोखिम भरा साबित हो रहा है।

जानकारी के अनुसार तालाब के टूटे हुए मेड से गुजर रही एक गाड़ी अनियंत्रित होकर फिसल गई और तालाब में जा गिरी। हादसे में वाहन चालक गंभीर घायल हो गया, जिसे तत्काल चिकित्सालय ले जाया गया। चिकित्सको के अनुसार अभी उसकी स्थिति नाजुक है और वह वर्तमान में आईसीयू में भर्ती है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि लंबे समय से तालाब के मेड की मरम्मत नहीं हुई थी और कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। घटना के बाद क्षेत्रवासियों में नाराजगी व्याप्त है।

नगर निगम के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि तालाब के टूटे मेड की तत्काल मरम्मत कराई जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। आमजन ने प्रशासन से शीघ्र कार्यवाही कर तालाब की मरम्मत कराने और वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध कराने की बात कही हैं।

कोरबा पुलिस में शोक : निरीक्षक मंजूषा पांडेय का कैंसर से निधन

कोरबा 2008 बैच की महिला पुलिस निरीक्षक मंजूषा पांडे का रायपुर में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से कैंसर रोग से जूझ रही थी। बालको कोरबा में टीआई रहते हुए मंजूषा पांडे ने कई उल्लेखनीय कार्य किए थे।

हरदीबाजार कोरबा के थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडे की धर्मपत्नी मंजूषा पांडे के निधन की खबर से उनके शुभचिंतकों, परिजनों, मित्रो, पुलिस विभाग सहित अंचल में शोक व्याप्त है।

मंजूषा ने बालको थाना प्रभारी के रूप में अपनी प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि कोरबा के जिला मेडिकल कॉलेज से एक दुधमुंहे बच्चे के अपहरण मामले को सुलझाना था। उनकी तत्परता से बच्चा सकुशल बरामद हुआ था। इस सफल ऑपरेशन के बाद वे कोरबा में लोकप्रिय अधिकारी बन गईं।

रायगढ़ की रहने वाली थीं मंजूषा

मंजूषा रायगढ़ की रहने वाली थीं। उनके पति मृत्युंजय पांडे कोरबा के हरदी बाजार थाने में थाना प्रभारी हैं। दंपती का एक 9 वर्षीय बच्चा है। मृत्युंजय मूल रूप से बिलासपुर के निवासी हैं। बालको थाना प्रभारी के बाद मंजूषा परिवार परामर्श केंद्र की प्रभारी भी रहीं।

उनके निधन से छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में शोक की लहर है। पुलिस महानिदेशक समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके निधन पर दुख जताया है। विभाग ने इसे एक बड़ी क्षति बताया है।

कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में कन्या छात्रावास शुभारंभ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लोकशक्ति - संवाददाता

कोरबा शासकीय इंजीनियर विश्वेसरैया स्नाकोत्तर महाविद्यालय परिसर में वाणिज्य, उद्योग, सार्वजिनक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) व श्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में कन्या छात्रावास का शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मंत्री श्री देवांगन ने शासकीय ई व्ही पी जी कॉलेज के 100 व 50 सीटर एवं शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय के 100 सीटर कन्या छात्रावास के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया एवं रिबन काटकर संस्थाओं में कन्या छात्रावास संचालन कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन एवं सभी छात्राओं को बधाई देते हुए छात्रावास के बेहतर संचालन हेतु शुभकामनाएं दी।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए हुए कहा कि उन्होंने डीएमएफ राशि का उपयोग करने का अधिकार जिला को दिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप डीएमएफ राशि का उपयोग जिले में अनेक महत्वपूर्ण कार्यो में किया जा रहा है। पहुँचविहीन, दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक स्थानों में जरूरत अनुसार नए सड़क, पुल पुलिया, स्कूल, आंगनबाड़ी भवन का निर्माण किया जा रहा है। जिले के सभी शासकीय प्राथमिक व माध्यमिक शाला में सबेरे पौष्टिक नास्ता का वितरण, पीवीटीजी वर्ग के शिक्षित युवाओं को रोजगार, मेधावी छात्रों को निःशुल्क नीट व जेईई की तैयारी जैसे अनेक कार्य डीएमएफके माध्यम से किए जा रहे है।

मंत्री श्री देवांगन ने छात्रावास संचालन से होने वाले लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि जिले के दूर दराज क्षेत्रों से छात्राएं अध्ययन के लिए आते है, छात्रावास के संचालन से निश्चित ही उन्हें लाभ मिलेगा। इससे छात्राओं की समय और धन की बचत होगी, जिससे उनका पढ़ाई और रुचिकर होगी। उन्होंने कहा कि इस छात्रावास का संचालन रियायती दरों पर किया जा रहा है, जिससे छात्राएं इसका लाभ उठा सकें साथ ही अति पिछड़ी वर्ग से सम्बंधित छात्राएं जो छात्रावास की राशि जमा करने में असक्षम हो ऐसे योग्य छात्राओं के छात्रावास का खर्च जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफसे उठाया जाएगा।

श्री देवांगन ने कहा कि आज के छात्र कल के भविष्य है, बेटियों से दो कुल का नाम रौशन होता है, एक बेटी के शिक्षित होने से पूरा परिवार शिक्षित बनता है। इसलिए आप सभी मन लगाकर अपना पढ़ाई करिए। उन्होंने छात्रावास में सुरक्षा व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट जैसी आवश्यकताओं की पूर्ति शीघ्र करने की बात कही। जिससे छात्राएं सुरक्षित माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें।

उन्होंने हॉस्टल का संचालन बेहतर ढंग से करने के निर्देश कॉलेज प्रशासन को दिए एवं हॉस्टल की व्यवस्था को और अधिक मजबूती प्रदान करने हेतु मिल जुलकर प्रयास करने की बात कही। विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल एवं महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने भी छात्रावास संचालन के लिए जिला प्रशासन की पहल की प्रशंसा करते हुए छात्राओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा हेतु कन्या छात्रावास प्रारम्भ करने की मांग लंबे समय से आती रही है। डीएमएफ से छात्रावास का जीर्णोद्धार व जरूरत की चीजों की पूर्ति कर छात्राओं को सुव्यवस्थित हॉस्टल सौंपा गया है। गर्ल्स हॉस्टल शुरू होने से छात्राओं का उच्च अध्ययन का मार्ग आसान होगा और उनके बेहतर भविष्य की पथ प्रदर्शित होगी। उन्होंने हॉस्टल के उचित व प्रभावी ढंग से संचालन करने एवं ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को लाभांवित करने के लिए कहा।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कहा कि जिला प्रशासन की मंशा थी कि इस सत्र से महाविद्यालय में हॉस्टल संचालन का कार्य प्रारंभ हो, जिससे कॉलेज की छात्राओं को इसका लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा कि छात्रावास में छात्राओं की सुरक्षा सर्वोपरी है , शीघ्र ही छात्रावास में होमगार्ड की नियुक्ति पूर्ण हो जाएगी। साथ ही आवश्यकता अनुसार स्ट्रीट लाइट एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। कलेक्टर ने छात्रावास की सभी छात्राओं को मानसिक रूप से मजबूत बनने का आग्रह किया।

चक्रधर समारोह में जिले की होनहार कथक नृत्यांगना इशिता कश्यप ने दी शानदार प्रस्तुति

कोरबा संवाददाता। रायगढ़ में आयोजित 40वा चक्रधर समारोह 2025 में 7वे दिन (2 सितंबर) को कोरबा की 12 वर्षीय कथक नृत्यांगना ईशिता ने अपने मनमोहक प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया। इशिता कश्यप अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तबला एवं नृत्य गुरु मोरध्वज वैष्णव की शिष्या है, जो केंद्रीय विद्यालय एनटीपीसी-कोरबा क्रमांक-2 में कक्षा 7वी की छात्रा हैं।

चक्रधर समारोह रायगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे प्रति वर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर आयोजित किया जाता है। यह भव्य समारोह पूरे 10 दिनों तक चलता है और इसमें देश-विदेश के नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देते हैं। इस समारोह की शुरुआत रायगढ़ रियासत के महान शासक, नर्तक एवं संगीतज्ञ महाराजा चक्रधर सिंह (1905द्1947) की स्मृति में की गई थी। वे स्वयं रायगढ़ घराने के संस्थापक माने जाते हैं और कथक एवं तबला वादन के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्हीं की कला साधना की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए यह समारोह आज भी आयोजित किया जाता है जो कि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है।

इसी मंच पर ईशिता कश्यप ने भी अपने कौशल का परिचय देते हुए विशेष छाप छोड़ी। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत शिव वंदना से की और तत्पश्चात रायगढ़ घराने की विशेष बोल बंदिश एवं तराना प्रस्तुत कर अंत में 150 चक्कर का अद्भुत प्रदर्शन कर श्रोताओं को रोमांचित कर दिया। बताया जा रहा हैं की ईशिता मात्र 4 वर्ष की उम्र से ही गुरु मोरध्वज वैष्णव के सानिध्य में कथक नृत्य की साधना कर रही हैं। अब तक वे पुणे, आगरा, कोलकाता, जबलपुर, रायगढ़, रायपुर, बिलासपुर सहित देशभर के लगभग 40 राष्ट्रीय मंचों पर अपनी कला का प्रदर्शन कर चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दुबई, यूएई और मलेशिया जैसे देशों में भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की शास्त्रीय नृत्य परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपने देश को गौरांवित किया है। इशिता संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित नेशनल स्कॉलरशिप 2024 जूनियर ग्रुप में कथक नृत्य के लिए छत्तीसगढ़ से एक मात्र कथक नृत्यांगना के रूप में चुनी गई हैं, इशिता की अन्य उपलब्धियों में प्रणवम् प्रतिभा सम्मान (2022), कला संस्कृति सम्मान (2023), स्वरिता प्राइड स्टार अवार्ड (2025), राष्ट्रीय विभुति सम्मान (2025) इंडिया स्टार पैशन अवार्ड (2025) और प्रणवम कला ललिता सम्मान शामिल हैं। ईशिता की यह प्रस्तुति न केवल कला प्रेमियों के लिए यादगार रही बल्कि इसने यह भी सिद्ध कर दिया कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य की यह नन्हीं साधिका भविष्य में देश और विदेश में एक सशक्त पहचान बनाएगी।

कृषि महाविद्यालय कटघोरा में दीक्षा आरंभ

कोरबा । कटघोरा स्थित कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कोरबा में बीएससी कृषि ऑनर्स की डिग्री हेतु नवीन प्रवेशी छात्रों का दीक्षा आरंभ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को प्रथम दिन छात्र पालक अभिमुखीकरण से प्रारंभ किया गया। दीक्षा आरंभ कार्यक्रम के आयोजन में प्रथम वर्ष के नवीन छात्रों के साथ उनके पालक भी उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय के प्राध्यापक गण स्टाफ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि विभाग कोरबा से उप संचालक देवेंद्र पाल सिंह कंवर, उद्यानिकी विभाग से उप संचालक उद्यान पतराम सिंह पैकरा एवं मत्स्य विभाग जिला उप संचालक के के बघेल रहे। अध्यक्षता डॉ एस एस पोर्ते अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कटघोरा कोरबा के द्वारा किया गया। दीक्षा आरंभ में सर्वप्रथम कोर्स टीचर सहायक प्राध्यापक डॉ आशीष कुमार केरकट्टा के द्वारा एकेडमिक जानकारी देते हुए 4 साल के पढ़ाई के खाका को समझाते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विषय में सारगर्भित जानकारी दी गई एवं किस तरह से दीक्षाराम उपरांत सेमेस्टर के परीक्षाओं का आयोजन होगा इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उपसंचालक मत्स्य विभाग के श्री बघेल के द्वारा अपने शैक्षणिक दोनों को याद करते हुए छात्र-छात्राओं को ईमानदारी से मेहनत करने के संबंध में संक्षिप्त उद्बोधन दिया गया। उपसंचालक उद्यानिकी पतराम सिंह के द्वारा नवीन छात्रों को शाला पर उत्सव पर महाविद्यालय प्रवेश प्राप्ति पर बधाई देते हुए आगे कैसे बढ़ेंगे एवं कृषि के क्षेत्र में कैसे आगे विस्तार करते हुए आगे बढकर अपना भविष्य बनाएंगे इस विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई। डी पी सिंह कंवर उप संचालक कृषि कोरबा के द्वारा छात्रों को भविष्य की तैयारी करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं को कैसे पास किया जाता है।

एसईसीएल दीपका क्षेत्र ने हरदी बाजार में सुरक्षा के लिए लगाए 10 सीसीटीवी कैमरे

कोरबा संवाददाता ।

एसईसीएल दीपका क्षेत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) मद से परियोजना प्रभावित ग्राम हरदी बाजार में ग्रामीणों, महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 10 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए। यह कैमरे दीपका क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री संजय कुमार मिश्रा द्वारा ग्राम पंचायत हरदी बाजार के सम्मानीय सदस्यों को प्रदान किए गए।

क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री संजय कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि दीपका क्षेत्र कोयला उत्पादन के साथ-साथ आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में सीएसआर के तहत सतत विकास के प्रयास भी करता रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि यह पहल ग्रामीणों की सुरक्षा और सुविधा के लिए की गई है। इस

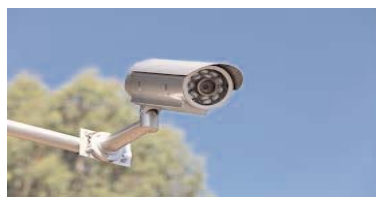

कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभाने वाले अजय राठौर (हरदी बाजार) के सहयोग से यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए एसईसीएल और अजय राठौर का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का आयोजन दीपका क्षेत्र की क्षेत्रीय सीएसआर समिति के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में दीपका क्षेत्र के विभागाध्यक्ष, नोडल अधिकारी (सीएसआर), ग्राम हरदी बाजार के वार्ड पंच एवं अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

1857 की क्रांति के वीर शहीद सीताराम कंवर की मूर्ति स्थापना स्थल का भूमिपूजन

विधायक तुलेश्वर मरकाम होंगे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

कोरबा 1857 की आजादी की लड़ाई में शहादत देने वाले वीर क्रांतिकारी शहीद सीताराम कंवर की स्मृति में मूर्ति स्थापना स्थल का भूमिपूजन एवं शिलान्यास आज 7 सितंबर रविवार को किया जाएगा। यह कार्यक्रम रामपुर चैक बायपास कटघोरा (चकचकवा के पास) में दोपहर 3 बजे से आयोजित होगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम (पाली-तानाखार) शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत रामपुर के सरपंच प्रदीप सिंद्राम करेंगे।

गरिमामय उपस्थिति रहेगी

कार्यक्रम में छत्रपाल सिंह कंवर, केंद्रीय अध्यक्ष सातगढ़ कंवर समाजय विद्वान सिंह मरकाम, जिला पंचायत सदस्य कोरबाय तथा पुराण सिंह कंवर, इकाई अध्यक्ष घरीपखना इकाई सातगढ़ कंवर समाज विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा सर्व आदिवासी समाज, जिला कोरबा के सदस्य भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

बलिदान की स्मृति

समाजजन का कहना है कि यह आयोजन केवल एक मूर्ति स्थापना नहीं, बल्कि शहीदों के बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का संकल्प है। शहीद सीताराम कंवर ने 1857 की क्रांति में अंग्रेजी शासन के खिलाफसंघर्ष करते हुए प्राणों की आहुति दी थी। उनका योगदान आदिवासी समाज ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरणास्रोत है। आयोजकों ने बताया कि यह दिन आदिवासी समाज के लिए ऐतिहासिक होगा। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक संगठन और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल होकर इस पुनीत कार्य के साक्षी बनेंगे।

शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर लायंस स्कूल के षिक्षकों का किया गया सम्मान

कोरबा । लायंस क्लब ऑफकोरबा द्वारा संचालित लायंस स्कूल सीतामढ़ी एवं लायंस स्कूल टी.पी. नगर में षिक्षक दिवस के पावन अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समोराह के विषिष्ट अतिथि एमजेएफ लायन एस.के. अग्रवाल रीजन चेयरमेन, एमजेएफ लायन राजकुमार अग्रवाल (श्वेता) चेयरमेन लायंस स्कूल सीतामढ़ी एवं अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष एमजेएफ लायन रोहित राजवाड़े, साथ ही क्लब सचिव लायन रविषंकर सिंह, लायन सत्येन्द्र वासन, लायन आनंद प्रसाद जायसवाल, लायन नन्दकिषोर अग्रवाल, लायन राजकुमार अग्रवाल (उत्सव), लायन संतोष खरे, लायन राजकिषोर प्रसाद, लायन मधु पाण्डेय, लायन राजेन्द्र डागा, लायन मनमोहन यादव, लायन भाविन उपाध्याय, लायन रमेष शर्मा, लायन जसपाल सिंह की गरिमामयी उपस्थित में माँ सरस्वती की प्रतिमा में दीप प्रज्ज्वलित कर भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया।

षिक्षकों के सम्मान में लायन रमेष शर्मा द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। अध्यक्षीय भाषण अध्यक्ष लायन रोहित राजवाड़े द्वारा दिया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि ज्ञान के प्रतीक, छात्रों के पथ प्रदर्शक और उनके भविष्य को उज्जवल बनाने वाले, राष्ट्र निर्माता आप समस्त शिक्षक वृन्दो को उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन सहित शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपके ज्ञान और मार्गदर्शन के बिना यह संसार शून्य है। पीएमजेएफ लायन जयप्रकाश अग्रवाल, एमजेएफ लायन एस.के. अग्रवाल एवं एमजेएफ लायन राजकुमार अग्रवाल (ष्वेता) ने अपने उद्बोधन में सभी शिक्षको को बधाई देते हुए कहा कि हमेशा गुरुजनों के दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए व गुरुजनों का हमेशा सम्मान करना।

शासकीय मुकुटधर पाण्डेय महाविद्यालय में नवनिर्मित बालिका छात्रावास का लोकार्पण समारोह संपन्न

कार्यक्रम में विधायक प्रेमचंद पटेल मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

कोरबा,। कटघोरा स्थित शासकीय मुकुटधर पाण्डेय महाविद्यालय में नवनिर्मित बालिका छात्रावास का लोकार्पण समारोह आज बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और समाजसेवियों की उपस्थिति रही। विशेष रूप से एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना, युवा आयोग के सदस्य रघुराज उईके, जनपद पंचायत कटघोरा की अध्यक्ष श्रीमती झुलबाई कंवर, जिला महामंत्री संजय शर्मा, श्रीमती राजेश्वरी जात्रा, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष गंगाप्रसाद

पटेल, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष बंजरग पटेल, गोविन्द कंवर, आशुतोष शर्मा, समजीत सिंह, देवेंद्र देवांगन, मन्नु राठौर एवं लकेश्वर देवांगन सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महाविद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य मदनमोहन जोशी, क्रीड़ाधिकारी श्रीमती राजकुमारी मरकाम तथा वानस्पति विज्ञान की सहायक प्राध्यापक एवं वार्डन सुश्री प्रतिभा कंवर ने भी अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएँ एवं स्थानीय नागरिक कार्यक्रम के साक्षी बने।

अपने उद्बोधन में विधायक प्रेमचंद पटेल ने कहा कि बालिका छात्रावास की स्थापना क्षेत्र की बालिकाओं के लिए शिक्षा का नया द्वार खोलेगी। उन्होंने कहा कि अब छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह छात्रावास न केवल उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करेगा, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की राह भी प्रशस्त करेगा। विधायक ने यह भी कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र की प्रगति की कुंजी है। जब हमारी बेटियाँ शिक्षित होंगी, तभी समाज में वास्तविक विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया और उपस्थित जनसमूह ने नए छात्रावास की स्थापना पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए इसे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक पहल बताया।

सीनियर, अंडर-23, अंडर-19 क्रिकेट के लिए खिलाड़ियों का चयन आज

कोरबा । सीनियर वर्ग सहित अंडर-23, अंडर-19 क्रिकेट टीम के लिए खिलाड़ियों का चयन एचटीपीपी कोरबा-पश्चिम के लाल मैदान में 7 सितंबर को सुबह 8.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएगी।

चयनित खिलाड़ियों को क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई, सीएससीएस और केडीसीए के टूर्नामेंट, ट्रेनिंग कैंप व सेलेक्शन मैच में खेल प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। चयनकर्ताओं व छत्तीसगढ़ क्रिकेट बोर्ड आब्जर्वर की देखरेख में खिलाड़ी ट्रायल देंगे। इस मौके पर प्रदेश क्रिकेट संघ से पर्यवेक्षक राजेश शुक्ला, केडीसीए से विशेष पर्यवेक्षक मोती पटेल, चयनकर्ता विशाल दुबे, भूपेंद्र भूषण, मो. वसीम, अजय राय, जिला क्रिकेट संघ के सचिव अखिलेश मणि तिवारी, कोषाध्यक्ष छतलाल यादव, सह सचिव जीत सिंह, वरिष्ठ खिलाड़ी रतन भारिया, बलबीर सिंह, प्रेम साहू आदि उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर की पहली महिला विधायक स्वर्गीय रजनी ताई उपासने के निवास पहुंचकर अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के पुलिस लाइन स्थित रायपुर की पहली महिला विधायक एवं समाजसेवी स्वर्गीय श्रीमती रजनी ताई उपासने के निवास पहुँचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने रजनी ताई उपासने के योगदानों का पुण्य स्मरण किया तथा शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, श्री संतोष शर्मा, श्री जगदीश उपासने सहित परिजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि रजनी ताई का निधन पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। आपातकाल के कठिन दौर में उन्होंने जिस साहस और धैर्य का परिचय दिया, वह प्रेरणादायी है। अपने कार्यकाल में उन्होंने जनता के हितों और रायपुर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सादगी, ईमानदारी और समाज से गहरे जुड़ाव के कारण उन्हें विशिष्ट पहचान मिली। वे महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर सक्रिय रहीं। श्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।उल्लेखनीय है कि रायपुर की पहली महिला विधायक और समाजसेवी श्रीमती रजनी ताई उपासने का हाल ही में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वर्ष 1977 में जनता पार्टी से चुनाव जीतकर उन्होंने इतिहास रचते हुए रायपुर की पहली महिला विधायक बनने का गौरव प्राप्त किया। उस दौर में जब राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सीमित थी, ऐसे समय में जनता का विश्वास जीतना उनके साहस और संघर्ष का प्रतीक था।

शराब के लिए पैसे न देने पर नाबालिग ने किया मां-बेटे पर चाकू से हमला

रायपुर। राजधानी के खमतराई थाना क्षेत्र के रावाभाटा वार्ड नंबर 11 में बीती रात एक नाबालिग ने मां-बेटे पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। आरोपी ने पीड़ित मां-बेटे से शराब पीने के लिए पैसे मांगे और नही देने पर चाकू से हमला कर फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

बताा दें कि राजधानी रायपुर में चाकूबाजी की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। चाकूबाजी की घटनाओं से न सिर्फ आम लोगों डर का वातावरण बन गया बल्कि पुलिस-प्रशासन की चिंता भी बढ़ गई है। ऐसे की एक मामले में खमतराई थाना क्षेत्र के रावाभाटा वार्ड नंबर 11 में रहने वाले द्रोपति यादव तथा उसके पुत्र महेश यादव अपने घर के बाहर बैठे हुए थे उसी दौरान एक नाबालिग लड़का वहां पहुंचा और उससे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। महेश ने पैसे देने से इनकार कर दिया। इस बात से गुस्साए आरोपी ने जेब से चाकू निकाला और महेश पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। बताया जा रहा है कि आरोपी ने महेश को सीने, पेट, हाथ और मुंह पर कई वार किए। बेटे को बचाने दौड़ी मां द्रोपती यादव पर भी आरोपी ने हमला कर दिया और उन्हें भी चाकू मारकर घायल कर दिया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग जुटे और घायल मां-बेटे को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां दोनों को उपचार जारी है।

एम्स रायपुर में देव हस्त रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित टाटीबंध में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मध्य भारत के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों के प्रथम रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम 'देव हस्त' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ में चिकित्सा सुविधाओं के विकास में एक नया आयाम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रदेश की जनता को अत्याधुनिक और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं 'देव हस्त' पर पहला ड्राई लैब डिसेक्शन कर इस अत्याधुनिक तकनीक की औपचारिक शुरुआत की। यह सिस्टम मध्य भारत के किसी शासकीय स्वास्थ्य संस्थान में स्थापित होने वाला पहला रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर एम्स रायपुर में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भर्ती होने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा हेतु एम्स रायपुर में सर्व-सुविधायुक्त परिजन निवास निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टरों को धरती पर भगवान का रूप माना जाता है क्योंकि वे हमें जीवन प्रदान करते हैं। आज जिस रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का शुभारंभ हो रहा है, उसे 'देव हस्त' नाम दिया गया है। इसका लाभ न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि एम्स रायपुर में भर्ती होने वाले अन्य राज्यों के मरीजों को भी मिलेगा। एम्स रायपुर उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में लगातार मील का पत्थर साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एम्स रायपुर से मुझे विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि जब रायपुर एम्स के निर्माण को स्वीकृति मिली, उस समय मैं सांसद था और प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी से छत्तीसगढ़ में एम्स की शाखा स्थापित करने का आग्रह किया था। यह आवश्यक था ताकि दिल्ली स्थित एकमात्र एम्स पर मरीजों का दबाव कम हो और अन्य राज्यों के लोगों को भी उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उनके राज्य में ही उपलब्ध हो। हमारा सौभाग्य है कि जिन छह राज्यों में एम्स स्थापित करने की स्वीकृति मिली, उनमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था। मुख्यमंत्री श्री साय ने परिजन निवास की घोषणा करते हुए कहा कि दूर-दराज से आने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा कितनी आवश्यक है, यह मैं भली-भांति समझता हूं। सांसद रहते हुए दिल्ली स्थित मेरे आवास को लोग 'मिनी एम्स' कहते थे क्योंकि वहां मैं मरीजों के परिजनों की रुकने की व्यवस्था करता था। जनसेवा का यह कार्य मेरे दिल के बेहद करीब है। 2014 से 2019 के संसदीय कार्यकाल में मैंने लगभग 12 करोड़ रुपये प्रधानमंत्री राहत कोष से मरीजों को दिलवाए थे। रायपुर में भी कुनकुरी सदन में मरीजों के परिजनों की व्यवस्था की गई है, जिसका लाभ पूरे प्रदेश के लोग उठाते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 20 महीनों में सरकार बनने के बाद राज्य में पाँच नए मेडिकल कॉलेजों को स्वीकृति मिली है और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

ईडी की रेड में 4 करोड़ रुपए नगदी, 10 किलोग्राम चांदी के जेवर, आपत्तिजनक दस्तावेज तथा डिजिटल उपकरण जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में डीएमएफघोटाले में ईडी की कार्यवाही में छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड (बीज निगम) से संबंधित कारोबारियों, ठेकेदारों और बिचौलियों के ठिकानों से 4 करोड़ रुपए नगदी, 10 किलोग्राम चांदी के जेवर के साथ आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण आदि जब्त किए गये हैं। यह कार्यवाही तीन सितंबर को 28 जगहों पर छापेमार कार्रवाई की थी। आगे की जांच जारी है।

ईडी की जांच से पता चला कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के डीएमएफटी फंड लगभग 350 करोड़ रुपये का उपयोग बीज निगम के माध्यम से किया गया था। बीज निगम के माध्यम से विक्रेताओं/ठेकेदारों को कृषि-उपकरणों की आपूर्ति के लिए काम आवंटित किए गए थे। मिनी दाल मिल, बीज आदि और अनुबंध मूल्य का 60 प्रतिशत तक कमीशन/रिश्वत (अपराध की आय) उनसे संपर्ककर्ताओं द्वारा ली गई थी और अंत में कुछ सरकारी अधिकारियों और अन्य सहयोगियों तक पहुंचाई गई थी।

इससे पहले ईडी ने 21.47 करोड़ रुपए की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की थी। इसके अलावा रायपुर स्थित विशेष पीएमएलए न्यायालय में एक अभियोजन शिकायत भी दायर की गई है, जिसमें 16 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा इस मामले में तीन लोगों आईएएस रानू साहू, राज्य सेवा अधिकारी माया वारियर और मनोज कुमार द्विवेदी को गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 1860 और 1988 के तहत छत्तीसगढ़ पुलिस ने विक्रेताओं/ठेकेदारों और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ डीएमएफटी फंड के कथित दुरुपयोग पर एफआईआर दर्ज की है। इसके आधार पर ईडी ने जांच शुरू की है। डीएमएफटी एक ट्रस्ट है, जिसे खनन कंपनियों से प्राप्त धन से वित्तपोषित किया जाता है और इसका उपयोग प्रभावित समुदायों के कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और पर्यावरण बहाली जैसे क्षेत्रों में किया जाता है। खनन संबंधी परियोजनाओं और गतिविधियों से प्रभावित लोगों के लाभ के लिए काम करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में डीएमएफटी स्थापित किया गया है। हालांकि कुछ सरकारी अधिकारियों ने कुछ विक्रेताओं/ठेकेदारों और बिचौलियों के साथ मिलीभगत करके इसका दुरुपयोग किया और भारी मात्रा में कमीशन/रिश्वत के बदले अवैध रूप से निविदाओं का आवंटन प्राप्त करके अपराध से आय (पीओसी) अर्जित की।

बता दें कि तीन सितंबर को तड़के 5 बजे ईडी की टीम ने छापेमारी की कार्रवाई शुरू की थी। राजधानी रायपुर के शंकर नगर में कारोबारी विनय गर्ग के आवास पर ईडी की टीम ने दबिश दी थी। स्वर्णभूमि कॉलोनी स्थित होटल व्यवसायी मनीदीप चावला के निवास में भी श्रेष्ठ ने दबिश दी थी। कृषि उपकरणों का कारोबार करने वाले राजेश अग्रवाल के घर भी टीम पहुंची थी। वहीं ला विस्टा कॉलोनी में ईडी अधिकारियों की टीम पहुंची थी, जहां कारोबारी पवन पोद्दार और सतपाल छाबड़ा के घर पर छापेमार कार्रवाई की थी। बता दें कि सतपाल छाबड़ा का ओडिशा और छत्तीसगढ़ में एग्रीकल्चर उपकरणों का कारोबार है।

ईडी ने दुर्ग जिले के पुरानी भिलाई में अन्ना भूमि ग्रीनटेक प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर शिवकुमार मोदी के घर पर रेड मारी थी। शांति नगर स्थित विवेकानंद कॉलोनी में रहने वाले आदित्य दिनोदिया के यहां भी टीम पहुंची थी। बता दें कि अन्ना भूमि ग्रीनटेक प्राइवेट लिमिटेड कृषि और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में काम करती है। यह कंपनी ड्रिप सिंचाई प्रणाली, कांटेदार तार, चेन लिंक, आरसीसी बाड़ के खंभे, सौर पंप और कृषि उपकरण की सप्लाई का काम करती है।

राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह 14 सितम्बर को

रायपुर । क्षत्रिय राठौर समाज के होनहार छात्र-छात्राओं को राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में वर्ष 2025 की 10 वीं एवं 12 वीं की परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को 14 सितम्बर 2025 को बिलासपुर के स्व. लखीराम अग्रवाल आडिटोरियम में सम्मानित किया जाएगा। राठौर समाज के होनहार बच्चे यदि इस राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो अभी भी अवसर है आवेदन कर सकते है या संपर्क कर सकते हैं। आयोजन समिति एवं क्षत्रिय राठौर समाज छत्तीसगढ से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह क्षत्रिय राठौर समाज के 10वीं 12वीं कक्षा के प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहन देकर उनका मनोबल बढ़ाना है और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करना है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा, ताकि वे और भी लगन व उत्साह से शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में श्रेष्ठ उपलब्धियाँ हासिल कर सकें। राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए क्षत्रिय राठौर समाज के जो बच्चे आवेदन करने में छुट गए हैं वे आयोजक मंडल को अपनी पूरी जानकारी के साथ अंकसूची सहित दुर्गेश राठौर 7000627284, चुलेश्वर राठौर 9827113598, विवेक राठौर 9098408975 और प्रशांत सिंह से मोबाइल नंबर 9424263904 पर संपर्क कर जानकारी दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना : कच्चे मकान से मिला छुटकारा, अब पक्के मकान में हो रहा गुजारा

रायपुर। गरीबी और कांठेनाइयों से जूझ रहीं सुकमा जिले के गादीरास पंचायत निवासी श्रीमती मुन्नीबाई पेद्दी पति श्री पेंटा पेद्दी की ज़िंदगी में प्रधानमंत्री आवास योजना ने नई रोशनी भर दी है। पहले जहां उनका परिवार मिट्टी की कमजोर झोपड़ी में रहता था, वहीं अब वे अपने दो कमरों के पक्के मकान में गरिमा और सुरक्षा के साथ जीवन जी रही हैं। मुन्नी बाई, जो परिवार की मुखिया हैं, मेहनत-मजदूरी और खेती-किसानी से बच्चों का पालन-पोषण करती रही हैं। पुराने कच्चे घर में हर मौसम उनके लिए चुनौती था। बरसात में टपकती छत, गर्मी में तपता टीन, और सर्दियों में कड़कड़ाती ठंड। बच्चों को कई बार बरसात में भीगकर बीमार होना पड़ता था।वर्ष 2024-25 में जब सरपंच ने उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी दी और आवेदन करवाया, तब उनकी उम्मीदों को नए पंख मिले। योजना के तहत स्वीकृत राशि से उन्होंने एक पक्का मकान तैयार कराया, जिसमें रसोईघर, शौचालय और बिजली की सुविधा भी है। खुशी से झूमती हुई मुन्नी बाई कहती हैं पहले हमारा घर सिर्फ बारिश और धूप से बचाव के लिए था, अब ये हमारे आत्मसम्मान की पहचान बन गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद कि उन्होंने हमें पीएम आवास बनवाने के लिए राशि प्रदान की।यह कहानी सिर्फ मुन्नी बाई की नहीं, बल्कि सुकमा जैसे दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में निवासरत हजारों परिवारों की कहानी है जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना ने कच्चे घर से पक्के घर तक का सफर तय कराया है।

कैबिनेट मंत्री पुलिस लाइन कॉलोनी पहुंच कर दी श्रद्धांजलि

कोरबा। कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन शनिवार को पुलिस लाइन कॉलोनी पहुंच कर तालाब में डूबने से दिवंगत बच्चों को पुष्प अर्पित कर परिवार जनों को ढाँढस बंधाकर दुख बांटा। एक दिन पहले पुलिस कॉलोनी के तीन बच्चों की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई थी।घटना की जानकारी मिलते ही कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने पुलिस अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली थी। शनिवार को मंत्री श्री देवांगन ने दिवंगत बच्चे के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।शोकाकुल परिवार जनों से भेंट कर ढाँढस बंधाया।

चैतन्य बघेल 15 तक न्यायिक रिमांड पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की पेशी शनिवार आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विशेष कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई। सुनवाई के बाद उन्हें अब 15 सितंबर तक के लिए न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। अब ईडी 15 सितंबर को चैतन्य के खिलाफ चालान पेश कर सकती है।बता दें कि 21 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रायपुर जोनल कार्यालय द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन 18 जुलाई को भिलाई निवास से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस घोटाले के कारण प्रदेश के खजाने को भारी नुकसान हुआ और करीब 2,500 करोड़ रुपये की अवैध कमाई (पीओसी) घोटाले से जुड़े लाभार्थियों की जेब में पहुंचाई गई। चैतन्य बघेल को 16.70 करोड़ रुपये की पीओसी प्राप्त हुई थी। इसके अलावा, उन पर शराब घोटाले से उत्पन्न 1000 करोड़ रुपये से अधिक के पीओसी को संभालने का भी आरोप है।

जिले के मिडिल स्कूल अटारी में युक्तियुक्तकरण से पढ़ाई हुई आसान, विद्यार्थियों के हो रही है सहूलियत

रायपुर । रायपुर जिले के अटारी स्थित मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों को शिक्षक युक्तियुक्तकरण से बड़ा फायदा हुआ है। विद्यालय में 140 विद्यार्थी हैं, लेकिन पहले यहां केवल दो शिक्षक कार्यरत थे। इस वजह से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। शासन द्वारा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के बाद विद्यालय में 2 नई नियुक्तियां की गई, जिनमें एक गणित विषय के शिक्षक भी शामिल हैं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना बनी वरदान, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आमजन को मिल रही राहत

रायपुर । प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आमजन के लिए वरदान साबित हो रही है। गर्मियों के मौसम में जहां बिजली बिल परिवारों पर बोझ बढ़ा देता था, वहीं इस योजना ने उपभोक्ताओं को बिजली खर्च से राहत दी है। सौर ऊर्जा ने अब उपभोक्ताओं को न केवल बिजली के उपभोक्ता बल्कि बिजली उत्पादक भी बना दिया है।

राजधानी रायपुर के अमलीडीह निवासी डॉ. कृति श्रीवास ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि उनके घर में एसी, फ्रिज, टीवी, पंखे आदि का नियमित उपयोग होता है। पहले भारी बिजली बिल आता था, लेकिन अब सोलर पैनल की वजह से उनका बिल न्यूनतम हो गया है।

डॉ. कृति ने कहा
यह योजना हमारे लिए बेहद फायदेमंद साबित हुई है। हम अब ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर हो चुके हैं। मैं सभी नागरिकों से अपील करती हूं कि इस योजना का लाभ लें और न सिर्फ बिजली बिल में राहत पाएं बल्कि हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी योगदान करें।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की इस दूरदर्शी योजना और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल ने आम परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना नागरिकों को उनकी छतों पर योजना से भारी बिजली बिल से छुटकारा, अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग जैसे अनेक फायदे मिल रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार की साझेदारी से यह योजना आर्थिक रूप से किफायती और तकनीकी रूप से प्रभावी सिद्ध हो रही है।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

डोंगरगांव । अखिल भारतीय शाकाहार परिषद एवं दिगम्बर जैन समाज के तत्वाधान में अयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में 103 शिक्षको का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग शिक्षा संभाग के संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय एवं महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी एवं अन्य विशेष अतिथियों जिसमें प्रमुख रूप से रायपुर कृषि विश्वविद्यालय से आये वैज्ञानिक दीपक शर्मा वैज्ञानिक अभिनव साव, खैरागढ़ इंदिरा संगीतकला विश्वविद्यालय से आई श्रीमती नीता गहरवार, विकास जी द्वारा विविवध शुभारंभ आचार्य विद्यासागर जी महराज के तैल्यचित्र में माल्यार्पण एवं दीप जलाकर किया गया । वही कार्यक्रम मुख्य रूप से आर्यिका मॉ श्वेतमति एवं विदेहमति जी माताजी का भी सानिध्य उक्त कार्यक्रम को मिला । कार्यक्रम में अध्यक्षता की आसंदी से अपने विचार रखते हुए संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय ने वर्तमान शिक्षा पद्धति में नैतिक एवं योग शिक्षा को भी समावेश करने अपनी बात रखी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने शिक्षको के प्रति नमन करते हुए अपने उदगार व्यक्त करते हुए बताया कि देश के भविष्य का निर्माण शिक्षको के द्वारा होता है शिक्षक ही समाज की तस्वीर है इस हेतु बच्चों को संस्कारित कर योग्य बनाने का कार्य हमारे शिक्षक करते है । मंच पर विराजमान श्वेतमति माता जी के संघ का सानिध्य सभी को प्राप्त हुआ । आर्यिका मॉ ने अपने उद्बोधन में बताया कि पहले गुरूकुल के माध्यम से बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाता था जिससे बच्चे प्रशिक्षित होकर संस्कारित होते थे। आज वर्तमान परिवेश में कॉन्वेन्ट स्कूल में प्रशिक्षण से बच्चो को वह संस्कार नही मिल पा रहा है जो कि चिंतनीय है। आवश्यक है हमें देश में पुनः गुरूकुल शिक्षा पद्धति को लाने का प्रयास करना चाहिए । कार्यक्रम का संचालन कर रहे शाकाहार परिषद के राष्ट्रीय संयोजक पवन जैन ने शिक्षको के महान कार्यो को बताते हुए कहा कि शिक्षक ही समाज, राष्ट्र निर्माण के प्रमुख है। कार्यक्रम को रायपुर कृषि विश्वविद्यालय से आये वैज्ञानिक दीपक शर्मा वैज्ञानिक अभिनव साव ने भी अपने विचार रखते हुए शिक्षा एवं कृषि के संबंध में विस्तार में प्रकाश डालते हुए चर्चा की। कार्यक्रम में खैरागढ़ इंदिरा संगीतकला विश्वविद्यालय से आई श्रीमती नीता गहरवार, विकास जी प्रध्यापक इंदिरा संगीत कला ने भी संबोधित किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)